हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 170 बेमेतरा, मंगलवार 10 फरवरी 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

केबिनेट बैठक 11 फरवरी को

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिपरिषद् (केबिनेट) की बैठक बुधवार, 11 फरवरी को सवेरे 11 बजे नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) में होगी।

भारत बनेगा जी20 में सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने सोमवार को भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर एक उत्साहजनक रिपोर्ट जारी की है। एजेंसी ने अनुमान लगाया है कि अगले वित्त वर्ष (FY27) में भारत की जीडीपी 6.4% की दर से बढ़ेगी। मूडीज के मुताबिक, इस रफ्तार के साथ भारत त-20 देशों के समूह में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

हरे निशान पर बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार

नई दिल्ली। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को भारतीय बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आशावाद देखने को मिली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और रियल एस्टेट शेयरों में जोरदार खरीदारी के चलते बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने सोमवार को लगातार दूसरे सत्र में अपनी बढ़त जारी रखी।

भारत ने सेशेल्स के लिए खोला खजाना

नई दिल्ली। भारत ने हिंद महासागर क्षेत्र में अपने रणनीतिक साझेदार देश सेशेल्स के साथ आर्थिक और कूटनीतिक संबंधों को एक नई ऊंचाई दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के बीच सोमवार को नई दिल्ली में हुई द्विपक्षीय वार्ता में विकास से जुड़ी साझेदारी को केंद्र में रखा गया। इस दौरान दोनों नेताओं ने सेशेल विजन को अपनाया, जिसका मकसद स्थिरता, आर्थिक विकास और सुरक्षा को बढ़ावा देना है। भारत ने सेशेल्स की विकास से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए एक विशेष आर्थिक पैकेज की भी घोषणा की है, जो वहां के इंफ्रास्ट्रक्चर और पब्लिक हाउसिंग सेक्टर को मजबूती देगा।

चांदी में 17000 रुपये की तेजी, सोना 1.58 लाख रुपये के पार

नई दिल्ली। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को दिल्ली के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतों में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। वैश्विक बाजारों में आई तेजी और कमजोर होते अमेरिकी डॉलर के चलते घरेलू बाजार में सफेद धातु यानी चांदी के दाम आसमान छूने लगे हैं। सोमवार को चांदी की कीमत में एक ही दिन में 17,000 रुपये प्रति किलोग्राम की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई।

पांच साल में विकसित बनेगा बस्तर, बस्तर पंडुम के विजेताओं को किया गया सम्मानित

बस्तर की पहचान बारूद नहीं, उसकी असली पहचान यहां की समृद्ध संस्कृति और विरासत है: अमित शाह

बस्तर की संस्कृति को नए प्राण देने का कार्य कर रही छत्तीसगढ़ सरकार

जगदलपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बस्तर भारत की संस्कृति का आभूषण है। बस्तर पण्डुम के माध्यम से यहां की संस्कृति और गौरवशाली परंपरा को छत्तीसगढ़ सरकार ने नए प्राण देने का काम किया। बस्तर पंडुम 2026 के सभी विजेताओं को केंद्रीय गृहमंत्री शाह और मुख्यमंत्री साय ने सम्मानित किया। केंद्रीय गृहमंत्री ने बताया कि इसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले लोक कलाकारों को राजधानी दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में आमंत्रित किया जाएगा, जहां उन्हें अपनी कला का प्रदर्शन करने और सहभोज करने का अवसर भी मिलेगा।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने जनजातीय कला एवं संस्कृति का संरक्षण और संवर्धन तथा जनजातीय प्रकृति व परंपरा का उत्सव बस्तर पण्डुम के तीन दिवसीय संभाग स्तरीय आयोजन के समापन अवसर पर आज जगदलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर संभाग के 07 जिले के 32 जनपद पंचायतों और 1885 ग्राम पंचायतों के 53 हजार से अधिक लोक कलाकारों ने 12 विधाओं

में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इन्हीं लोक संस्कृति को आगे बढ़ाने का कार्य बस्तर पण्डुम 2026 के माध्यम से राज्य की सरकार द्वारा किया जा रहा है।

आदिवासी संस्कृति और पारंपरिक विरासतों को पुनर्जीवित करने धरती आबा योजना- शाह ने कहा कि बस्तर जैसी संस्कृति विश्व के किसी देश में नहीं है और इसे प्रभु राम के समय से संजोकर यहां के लोगों ने अक्षुण्ण बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 700 से अधिक जनजातियों की आदिवासी संस्कृति और पारंपरिक विरासतों को पुनर्जीवित करने धरती आबा योजना और पीएम जनमन योजना जैसी अनेक योजनाएं लागू की। शाह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हमारी लड़ाई किसी से नहीं बल्कि यहां की भोली-भाली आदिवासी जनता को सुरक्षा देना है। माओवाद उन्मूलन की समय सीमा अभी भी वही है। जवानों के अदम्य साहस और बहादुरी से 31 मार्च 2026 तक हो माओवाद को घुटने टेकने पड़ेंगे। उन्होंने प्रदेश में संचालित की जा रही नक्सल पुनर्वास नीति की सराहना करते हुए कहा कि पुनर्वास केंद्रों में उन्हें रोजगारमूलक और सृजनात्मक गतिविधियों से भी जोड़ा जा रहा है।

40 गांवों के स्कूलों में गोलियों की आवाज की जगह स्कूल की घंटियां सुनाई देती है- केन्द्रीय गृहमंत्री ने कहा कि नियद नेल्ला नार योजना के तहत प्रदेश सरकार लगातार माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में रोडमैप तैयार कर सड़क, पुल पुलिया, मोबाईल टॉवर स्थापित करने के साथ-साथ राशन वितरण, शुद्ध पेयजल, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड बना रही है। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि बस्तर संभाग के माओवाद प्रभावित गांवों में लाल आतंक के चलते विकास से कोसों दूर थे, वहां के 40 गांवों में स्कूल फिर से खोले गए। अब वहां गोलियों की आवाज की जगह स्कूल की घंटियां सुनाई देती हैं। दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जिले में 02 लाख 75 हजार एकड़ जिले में सिंचाई के लिए 220 मेगावॉट बिजली उत्पादन का कार्य शीघ्र प्रारंभ।

बस्तर तरक्की की एक नई सुबह देखने को मिल रही है

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर की सुंदर धरती लंबे समय तक नक्सलवाद की पीड़ा से गुजरी है। गौर, माड़िया, मुरिया, भतरा, धुरवा, गोंड जैसे विभिन्न नृत्य की लय धीमी पड़ गई थी, मांदर की थाप खामोश हो गई थी, लेकिन आज बस्तर बदल रहा है। यहां तरक्की की एक नई सुबह देखने को मिल रही है। श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में केंद्र और राज्य सरकार मिलकर नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रही है।

आत्म समर्पण नीति के तहत सम्मान के साथ पुनर्वास

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों ने घने जंगलों में, विपरीत परिस्थितियों में, अपनी जान की परवाह किए बिना नक्सलवाद पर कड़ा प्रहार कर रहे हैं। नियद नेल्ला नार - योजना के माध्यम से सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं गांव में पहुंचाई हैं।

पर्यटन के क्षेत्र में बस्तर तेजी से आगे बढ़ रहा है

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हाल ही में संसद में भी बस्तर के विकास की चर्चा की। श्री साय ने कहा कि पर्यटन के क्षेत्र में भी बस्तर तेजी से आगे बढ़ रहा है। धुड़मारास गांव को संयुक्त राष्ट्र द्वारा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव घोषित किया जाना हम सभी के लिए गर्व की बात है।

बस्तर पंडुम एक आयोजन बस नहीं है, यह बस्तर की पहचान का उत्सव: मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर पंडुम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि माता दंतेश्वरी से ही बस्तर की पहचान है। बस्तर पंडुम एक आयोजन बस नहीं है, बल्कि यह बस्तर की पहचान का उत्सव है। उन्होंने छत्तीसगढ़ और विशेष रूप से बस्तर के प्रति गृह मंत्री अमित शाह के स्नेह और लगाव के लिए आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली बार भी शाह की मौजूदगी ने बस्तरवासियों का हौसला बढ़ाया था और आज फिर उनकी उपस्थिति ने कलाकारों और यहां के लोगों में नई ऊर्जा भर रही है।

डिजिटल धोखाधड़ी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा-

यह सरासर डकैती है, पूरे देश में लागू हो एसओपी

बैंक अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल

नई दिल्ली (ए)। देश में तेजी से बढ़ते डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए इसे डकैती या लूट करार दिया है।

अदालत ने कहा कि अब तक 54,000 करोड़ से अधिक की राशि साइबर ठगी के जरिए निकाली जा चुकी है, जो बेहद गंभीर स्थिति को दर्शाता है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा तैयार किए गए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) को पूरे देश में औपचारिक रूप से लागू किया जाए, ताकि डिजिटल फ्रॉड पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों में बैंकों की लापरवाही या अधिकारियों की मिलीभगत की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने आरबीआई और बैंकों से कहा कि वे ऐसे मामलों में समय पर और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। सुनवाई के दौरान अदालत ने बताया कि आरबीआई ने पहले ही एक एसओपी तैयार किया है, जिसके तहत साइबर फ्रॉड की आशंका होने पर अस्थायी रूप से डेबिट कार्ड को

होल्ड पर डालने जैसी त्वरित कार्रवाई का प्रावधान है। इसका उद्देश्य धोखाधड़ी से होने वाले नुकसान को तुरंत रोकना है। डिजिटल अपराधों से निपटने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक और अहम निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि अंतर-विभागीय एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल के लिए चार सप्ताह के भीतर एक ड्राफ्ट मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) तैयार किया जाए। अदालत ने साफ शब्दों में कहा हम केंद्र सरकार को निर्देश देते हैं कि वह आरबीआई की एसओपी को औपचारिक रूप से अपनाए और पूरे भारत में लागू करे, ताकि डिजिटल धोखाधड़ी से निपटने में एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय हो सके। अदालत ने सीबीआई को निर्देश दिया है कि वह देशभर में सामने आए डिजिटल अरेस्ट मामलों की पहचान करे और उनसे जुड़े तथ्यों की विस्तृत जांच की जाए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात और दिल्ली सरकारों से कहा है कि जिन मामलों की पहचान की जाए।

पीड़ितों के प्रति उदार और व्यावहारिक दृष्टिकोण की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों में पीड़ितों को मुआवजा देते समय तकनीकी जटिलताओं में उलझने के बजाय एक व्यावहारिक और उदार रवैया अपनाया जाना चाहिए। अदालत के अनुसार, ऐसे अपराधों में आम नागरिक मानसिक और आर्थिक रूप से गहरा नुकसान झेलता है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

बीसीसीआई ने जारी की वार्षिक अनुबंध की लिस्ट, रोहित-कोहली को नुकसान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को 2025-26 सीजन (1 अक्तूबर, 2025-30 सितबंर, 2026) के लिए सीनियर पुरुष और महिला खिलाड़ियों के वार्षिक अनुबंध की घोषणा की।

इसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली को नुकसान हुआ है। दोनों को ग्रेड बी में रखा गया है। वहीं, ग्रेड ए में शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा, हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा को रखा गया है। बीसीसीआई ने तीन खिलाड़ियों को ग्रेड ए में रखा है। इनमें वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा शामिल हैं। तीनों भारत के लिए दो प्रारूप में खेलते हैं। वहीं, महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा को भी ग्रेड ए में रखा गया है।

बंगाल एसआईआर मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त

अंतिम मतदाता सूची जारी करने का समय बढ़ाया, डीजीपी से मांगा हलफनामा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करा रहा है। मतदाता सूची से जुड़ा यह विवाद सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। कोर्ट ने आज इस मामले में अहम दिशा-निर्देश दिए। चीफ जस्टिस ने एसआईआर की समयसीमा बढ़ाने का भी निर्देश दिया। सीजेआई सूर्यकांत की पीठ ने कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की डेडलाइन एक सप्ताह और बढ़ाई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, निर्वाचन आयोग को पश्चिम बंगाल एसआईआर प्रक्रिया के बाद फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश करने के लिए और समय दिया जा रहा है।

सदन में पेश हुई प्रदेश सरकार की पहली आर्थिक समीक्षा

लखनऊ (ए)। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सोमवार को विधानमंडल के बजट सत्र के पहले दिन उत्तर प्रदेश की पहली आर्थिक समीक्षा सदन के पटल पर प्रस्तुत की।

समीक्षा में प्रदेश की अर्थव्यवस्था, निवेश, प्रति व्यक्ति आय, राजकोषीय स्थिति और क्षेत्रीय योगदान को विस्तार से सामने रखा गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था ने बीते आठ वर्षों में विस्तार किया है। वर्ष 2016-17 में 13.30 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था, वर्ष 2024-25 में बढ़कर 30.25 लाख करोड़ पार कर चुकी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में

इसके 36 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। यह वृद्धि उत्तर प्रदेश को देश की सबसे बड़ी राज्य अर्थव्यवस्थाओं में मजबूती से स्थापित करती है। वित्त मंत्री ने सदन में कहा कि आज हम सब एक ऐतिहासिक पल के साक्षी बन रहे हैं, जब उत्तर प्रदेश भी भारत सरकार की तरह अपनी आर्थिक समीक्षा पहली बार सदन के समक्ष प्रस्तुत कर रहा है। प्रदेश की आर्थिक समीक्षा केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि राज्य की प्रगति, जनता की आकांक्षाओं और भविष्य की संभावनाओं का जीवंत दस्तावेज है।

भारत की सांस्कृतिक धरोहर और ऐतिहासिक गौरव का प्रतीक, उत्तर प्रदेश आज नई आर्थिक दृष्टि और ऊर्जा के साथ अपने लक्ष्यों की ओर अग्रसर है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था 25 करोड से अधिक नागरिकों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है, जो इसे कृषि उत्पादन, औद्योगिक विकास और तकनीकी नवाचार का प्रमुख केंद्र बना रहा है।

गांजा तस्करी पर 3 बड़ी कार्रवाई

11 आरोपी गिरफ्तार 132.5 किलो गांजा जब्त

महासमुंद। जिले में एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स ने गांजा तस्करी के खिलाफ रिकॉर्ड कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर तीन अलग-अलग मामलों में बड़ी सफलता हासिल की है। महज 6 घंटे के अंदर एंड-टू-एंड ऑपरेशन के तहत थोक विक्रेता से लेकर खरीदार तक पूरे नेटवर्क को पकड़ लिया गया। इस संयुक्त कार्रवाई में थाना सिंघोड़ा, कोमाखान और बागबाहरा क्षेत्र से कुल 132.5 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। साथ ही 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गांजा तस्करी में प्रयुक्त 6 चार पहिया वाहन (अनुमानित कीमत 55 लाख रुपए) भी जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में मध्यप्रदेश के 5, महाराष्ट्र के 4 और ओडिशा के 2 आरोपी शामिल हैं।

महिला सांसदों के खिलाफ लोकसभा स्पीकर का बयान अपमानजनक

विपक्षी नेताओं ने ओम बिरला को लिखा पत्र

नई दिल्ली (ए)। कांग्रेस की कुछ महिला सांसदों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखा है। इस पत्र में कहा गया है कि महिला सांसदों के खिलाफ आधारहीन आरोप लगाए जा रहे हैं और विपक्ष के संसदीय अधिकारों को नकारा जा रहा है।

सांसदों ने पत्र में लिखा कि उन्होंने सांविधानिक तरीके से प्रधानमंत्री का विरोध किया और इसलिए उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। इससे पहले विगत पांच फरवरी को स्पीकर ओम बिरला ने कहा था कि जिस तरह का माहौल उस दिन लोकसभा में बना, उसमें कोई भी अप्रिय और अप्रत्याशित घटना घट सकती थी। उन्होंने साफ कहा कि ऐसा व्यवहार संसद की गरिमा और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के बिल्कुल विपरीत था। लोकसभा में पीएम मोदी शाम 5 बजे बोलने वाले थे। लेकिन बैठक शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया, करीब 8 से 10 महिला सांसद, जिनमें कांग्रेस की तीन महिला सांसद शामिल थीं, पीएम की सीट के पास पहुंच गईं। वे बैनर लेकर खड़ी हो गईं। इससे सदन की कार्यवाही बाधित हुई। जिस पर स्पीकर ने सदन को स्थगित कर दिया। पीएम सदन में नहीं आए और भाषण रद्द हो गया। अगले दिन स्पीकर ने सदन में कहा कि अनहोनी हो सकती थी, इसलिए उन्होंने पीएम को सदन में आने से रोका। विपक्ष ने ऐसे आरोपों को खारिज करते हुए केवल इसे अपना विरोध बताया। बता दें कि लोकसभा में बीते लगभग एक सप्ताह से कामकाज ठप है। लोकसभा से आठ सांसदों के निलंबन और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वक्तव्य को कथित तौर पर रोके जाने के मुद्दे पर सत्तापक्ष और विपक्षी दलों के बीच गतिरोध बरकरार है।

पत्र में महिला सांसदों ने क्या कहा

पत्र में महिला सांसद ने लिखा कि सत्ताधारी दल के दबाव में स्पीकर विपक्षी पार्टियों, खासकर कांग्रेस सांसदों के खिलाफ बेबुनियाद और अपमानजनक आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने लिखा कि स्पीकर को बिना पार्टी से जुड़ाव को देखे, सभी सांसदों की गरिमा की सुरक्षा करनी चाहिए और साथ ही निष्पक्ष रहना चाहिए। सांसदों ने लिखा कि चार दिन बीत जाने के बाद भी नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में नहीं बोलने दिया जा रहा है। साथ ही सत्ताधारी दल के इशारे पर विपक्ष के आठ सांसदों को निलंबित कर दिया गया, जबकि सत्ताधारी गठबंधन के सांसदों को पूर्व पीएम के खिलाफ अपमानजनक बातें करने की इजाजत दी जा रही है।

जिस बांग्लादेश के दम पर अकड़ दिखा रहा था पीसीबी, उसने ही बहिष्कार खत्म करने की मांग की

नई दिल्ली (ए)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने पाकिस्तान को भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप का मैच नहीं खेलने के फैसला बदलने के लिए कहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मिलकर अपना फैसला वापस लेने की मांग कर सकते हैं। मालूम हो कि पाकिस्तान ने बांग्लादेश के साथ खड़े रहने के लिए ही यह पूरा ड्रामा रचा था, लेकिन अब वह खुद इस जाल में घिर गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, नकवी सोमवार को इस मुद्दे पर हालिया घटनाक्रम की जानकारी प्रधानमंत्री शरीफ को देंगे। सूत्र ने कहा, नकवी प्रधानमंत्री को बांग्लादेश, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) क्रिकेट बोर्ड तथा आईसीसी के साथ हुई अपनी बातचीत की जानकारी देंगे और उन्हें इस संकट से अवगत कराएंगे। सूत्रों ने बताया कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम आईसीसी के उपाध्यक्ष और स्वतंत्र निदेशक इमरान ख्वाजा की रविवार को लाहौर में नकवी के साथ हुई बातचीत के दौरान मौजूद थे। श्रीलंका और यूएई बोर्ड ने भी पाकिस्तान से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। पीसीबी सूत्र ने कहा कि अमीनुल ने बांग्लादेश क्रिकेट के प्रति पाकिस्तान द्वारा दिखाई गई एकजुटता की सराहना करते हुए नकवी से बहिष्कार खत्म करने का अनुरोध किया।

जिला कांग्रेस कमेटी ने किया कलेक्ट्रर कार्यालय में धरना प्रदर्शन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी ने बीते सोमवार को जिला अध्यक्ष एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा के नेतृत्व में मजदूरों के अधिकारों एव मनरेगा कानून को मूल स्वरूप में यथावत रखने को लेकर जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय बेमेतरा में धरना प्रदर्शन किया इस धरना प्रदर्शन में भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं आम जनता ने भाग लिया इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि आज के इस धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में जनता की भारी सहभागिता ने स्पष्ट संदेश दे दिया है कि जनहित से जुड़े मुद्दों को भाजपा सरकार द्वारा दबाया नहीं जा सकता भाजपा सरकार को वी बी जी राम जी विधेयक को वापस लेना ही होगा तथा मनरेगा को उसके मूल स्वरूप में वापस करना पड़ेगा भाजपा की सरकार लोक लोभावन वादे करके तो सत्ता में काबिज हो जाती है लेकिन वास्तविकता में यह सरकार किसान मजदूर और गरीब की विरोधी पार्टी है भाजपा सिर्फ और सिर्फ अमीरों की पार्टी है और उन्हीं लोगों को भाजपा सरकार खुश करने में लगी रहती है किसान मजदूर किस हालत में जी रहे हैं इससे न तो भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व कोई लेना-देना है और ना ही स्थानीय नेतृत्व को कोई लेना देना है कांग्रेस कमेटी मजदूर किसान और गरीब तथा दलितों के लिए हमेशा से आगे रही है और भविष्य में भी आगे रहेगी हमारे नेताओं ने पहले भी कुर्बानियां दी है और आगे भी हम जरूरत पड़ने पर कुर्बानियां देते रहेंगे लेकिन गरीब और मजदूरों के हक को किसी सरकार को दबाने नहीं देंगे धरना प्रदर्शन में नवागढ़ के पूर्व विधायक गुरदयाल सी बंजारे ने भी भाग लिया साथ ही साथ इस धरना प्रदर्शन में मंगत साहू कविता साहू सुरेंद्र तिवारी टी आर जनार्दन अवनीश राघव प्रांजल तिवारी रवि परगनिहा झम्मन बघेल विजय बघेल मिथलेश वर्मा रश्मि मिश्रा देवेंद्र साहू सुमित राजपूत अश्वनी अनंत ईश्वर वर्मा रोशन सिंहा गणेश राजपूत राजू साहू रीता पांडे हरीश साहू शशि प्रभा गायकवाड सुशील जोशी बालकुमारी ध्रुव चंद्र प्रकाश साहू संतोष वर्मा लुकेश वर्मा मनोज शर्मा रवि रजक सनतधर दिवान शुभम गंधर्व शिव वर्मा प्रज्ज्वल वर्मा दीपक दिनकर नवाज खान मोनल सिन्हा अखिलेश नामदेव प्रकाश ठाकुर तोकेश्वर साहू रामसजीवन टंडन शक्तिधर दिवान जावेद खान ओनी महिलांग नवीन ताम्रकारलाला कटारे शकुंतला साहू जनता साहू योगिता साहू रूबी सलूजा रमा साहू बीनू मानिकपुरी रीना साहू विजय यादव मोहित वर्मा लक्ष्मण साहू निलेश वैष्णव चीतरेन वर्मा सिद्धिक खान नरेश सिन्हा वैभव मिश्रा भावसिंह राज भीखम साहू ऋतिक तिवारी शिशिर दुबे घनश्याम देवांगन राजा साहू संजय वर्मा अनिल दुबे जय प्रकाश राज कमल साहू सहित समस्त मंडल अध्यक्ष एवं सभी प्रकोष्ठ के कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे धरना प्रदर्शन उपरांत कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ जिला अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन कलेक्टर को सौपा ।

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जनदर्शन में सुनी आमजन की समस्याएं, 49 आवेदनों पर दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज सोमवार को कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के द्वारा कलेक्टरेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनदर्शन में जिले के विभिन्न अंचलों से आए नागरिकों ने अपनी मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनदर्शन के दौरान कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर बुलाकर एवं दूरभाष के माध्यम से चर्चा कर कई प्रकरणों का तत्काल निराकरण कराया। प्रशासन की तत्परता के चलते कई नागरिकों की समस्याओं का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जिससे आवेदकों में संतोष एवं विश्वास का माहौल देखने को मिला।आज आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 49 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों में शीघ्र कार्रवाई करते हुए समाधान किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य प्रकरणों को टीएल पंजी में दर्ज कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित पेंशन, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बैटरी चालित ट्रायसायकल प्रदाय, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर सुश्री ममगाई ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को नियमानुसार शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ निराकरण किया जाए, ताकि आम नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने नागरिकों को भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री प्रकाश कुमार भारद्वाज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सुकमाः 'नियद नेल्लनार' योजना से संवर रही वनांचल की राह

बंडा में 10 ग्रामीणों को मिले उन्नत नस्ल के सुकर

सुकमा/मूक पत्रिका

जिला प्रशासन और पशुपालन विभाग के साझा प्रयासों से सुदूर वनांचल क्षेत्रों में खुशहाली की नई बयार बह रही है। कलेक्टर श्री अमित कुमार के निर्देशानुसार और पशुपालन विभाग के उपसंचालक डॉ. संदीप इंदुरकर के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ शासन की 'सुकर त्रई' योजना के तहत सोमवार को कोंटा ब्लॉक के ग्राम बंडा में हितग्राहियों को उन्नत नस्ल के सुकर वितरित किए गए। शासन की महत्वाकांक्षी 'नियद नेल्लनार' योजना के तहत वनांचल क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी कड़ी में ग्राम बंड़ा के अनुसूचित जनजाति वर्ग के 10 चयनित ग्रामीणों को उन्नत नस्ल के सुकरों का प्रदाय किया गया। इसका प्रमुख उद्देश्य ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार लाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। कोंटा पशु चिकित्सालय के प्रभारी अधिकारी डॉ. सूर्यकांत सोरी एवं उनकी टीम ने ग्राम स्तर पर पहुँचकर वितरण कार्य संपन्न कराया। इस दौरान डॉ. सोरी ने हितग्राहियों को सुकर पालन की बारीकियों और उनके उचित रख-रखाव के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी।

प्रतिमा बरिहा बने भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष

सारंगढ़/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ की जिला कार्यसमिति की घोषणा कर दी गई है। श्रीमती प्रतिमा बरिहा जनपद सदस्य को जिला उपाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह नियुक्ति भाजपा प्रदेशाध्यक्ष माननीय किरण सिंह देव जी एवं प्रदेश महामंत्री संगठन माननीय पवन साय जी के मार्गदर्शन तथा अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष माननीय सत्यनारायण सिंह जी के निर्देशानुसार की गई है। जिला भाजपा अध्यक्ष माननीय ज्योतिलाल पटेल जी की सहमति से जिला अध्यक्ष श्री नारायण बरिहा द्वारा कार्यसमिति घोषित की गई।

नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए श्रीमती प्रतिमा बरिहा ने कहा पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने जो विश्वास मुझ पर जताया है, उसके लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करती हूं। अनुसूचित जनजाति समाज के अधिकार, सम्मान और विकास के लिए मैं पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करूंगी। भाजपा की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना मेरी प्राथमिकता रहेगी।÷प्रतिमा बरिहा की नियुक्ति से संगठन में उत्साह का माहौल है। कार्यकर्ताओं ने उनके नेतृत्व में संगठन को और मजबूत करने की उम्मीद जताई है

14 एवं 15 फरवरी को दुर्ग में संभाग स्तरीय रोजगार मेला, निजी क्षेत्र के विभिन्न पदों पर होंगे साक्षात्कार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संभाग स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। यह रोजगार मेला दिनांक 14 एवं 15 फरवरी 2026 को रूंगटा इंजीनियरिंग कॉलेज (क्र2), कोहका, भिलाई, जिला दुर्ग में आयोजित होगा। इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा तकनीकी एवं गैर-तकनीकी विभिन्न पदों पर भर्ती हेतु अभ्यर्थियों का प्रत्यक्ष साक्षात्कार लिया जाएगा। मेले के माध्यम से योग्य एवं इच्छुक युवाओं को एक ही स्थान पर रोजगार प्राप्त करने का सुनहरा अवसर मिलेगा। रोजगार मेले में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए यह अनिवार्य किया गया है कि वे ऑनलाइन पोर्टल www.erojgar.cg.gov.in पर रोजगार पंजीयन एवं रोजगार मेला हेतु पृथक-पृथक पंजीयन अवश्य कराएं। जिन अभ्यर्थियों ने अभी तक उक्त पोर्टल पर पंजीयन नहीं कराया है, वे समय रहते अपना पंजीयन कर सकते हैं। पंजीकृत अभ्यर्थी 14 एवं 15 फरवरी 2026 को निर्धारित स्थल पर अपने समस्त शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, पहचान पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं। रोजगार मेले से संबंधित अधिक जानकारी हेतु अभ्यर्थी जिला रोजगार कार्यालय, बेमेतरा से संपर्क कर सकते हैं। शासन द्वारा आयोजित यह रोजगार मेला जिले एवं संभाग के युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुति की प्रशंसा, ताली बजाकर हौसला बढ़ाया

जगदलपुर/मूक पत्रिका

प्राकृतिक सौंदर्य से भरा बस्तर संभाग और इस खूबसूरती को एक गाने में पिरोया गया है जो ÷ऐसा जादू है मेरे बस्तर में÷। संभाग स्तरीय बस्तर पण्डुम 2026 के समापन समारोह में शामिल होने पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के स्वागत में जगदलपुर के हजारों स्कूली बच्चों के द्वारा ÷ऐसा जादू है मेरे बस्तर में÷ गाने में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति दी। स्कूली बच्चों की शानदार प्रस्तुति ने केंद्रीय गृहमंत्री को भी ताली बजाकर कर बच्चों की हौसला अफ्जाई करने के लिए मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में बालिकाओं के द्वारा मलखंब का भी प्रदर्शन किया गया, शाह ने बच्चों की शानदार प्रस्तुति की प्रशंसा कर बच्चों को बधाई दी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित अन्य अतिथियों ने भी बच्चों की हौसला अफ्जाई की। ज्ञात हो कि ÷ऐसा जादू है मेरे बस्तर में÷ गीत को हिंदी और हल्बी बोली में रचित किया गया है जिसमें बस्तर के बादल अकादमी के कलाकारों ने अपनी आवाज और संगीत में योगदान दिया है। गीत को दायरा बैंड ने आधुनिक संगीत के साथ जोड़कर नया स्वरूप दिया है।

10 से 25 फरवरी तक चलाया जाएगा हाथीपांव उन्मूलन अभियान प्रेस वार्ता में फाइलेरिया संबंधी प्रश्नो का हुआ समाधान

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट में फाइलेरिया (हाथी पांव) रोग से जुड़े प्रश्नों के समाधान के लिए प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। फाइलेरिया को लेकर प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मीडिया के सभी पत्रकारों ने प्रश्न किये, जिनका उत्तर कलेक्टर डॉ. कन्नौजे और सीएमएचओ डॉ निराला ने दिया। फाइलेरिया क्या है ? यह एक संक्रामक बीमारी है जो मच्छरों के काटने में फैलती है। इसे सामान्य भाषा में हाथीपाँव भी कहा जाता है। बीमारी कैसे फैलती है ? संक्रमित क्यूलेक्स मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है, तो शरीर में फाइलेरिया के सूक्ष्म कीटाणु माइक्रो फाइलेरिया छोड देता है। क्या फाइलेरिया वंशानुगत है ? जी नहीं, यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में केवल मच्छर के काटने से फैलता है, यह जन्मजात या आनुवंशिक नहीं है।

लक्षण ? शुरुआत में बुखार, बदन में खुजली, या अंगों में सूजन हो सकती है। लंबे समय बाद हाथ, पैर या अंडकोष में भारी सूजन आ जाती है। संक्रमित व्यक्ति को तुरंत पता चल जाता है ? नहीं । इसके कीटाणु शरीर में 5 में 15 साल तक बिना किसी बड़े लक्षण के रह सकते हैं। जब लक्षण दिखते हैं, तब तक काफी नुकसान हो चुका होता है। सामुहिक दवा वितरण अभियान, जिनमें सरकार प्रभावित क्षेत्रों में पूरी आबादी को फाइलेरिया बचाव की मुफ्त दवा खिलाती है। आमतौर पर यह दवा किसे खानी चाहिए ? 2 वर्ष से अधिक आयु के सभी स्वस्थ व्यक्तियों को यह दवा खानी चाहिए। किसे यह दवा नहीं खानी चाहिए ? 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चे। गर्भवती महिलाएं ,अति वृद्ध और बहुत अधिक बीमार व्यक्ति को। क्या खाली पेट दवा खा सकते हैं ? नहीं यह दवा हमेशा कुछ खाने के बाद ही लेनी चाहिए। दवा स्वास्थ्य कार्यकर्ता के सामने ही क्यों खायें ? ताकि यह सुनिश्चिंत हो सके कि ङ्क आपने सही खुराक ली है व यदि कोई तत्काल समस्या हो, तो स्वास्थ्य कर्मी आप की मदद कर सके। क्या इन दवाओं के कोई साइड इफेक्ट्स हैं ? स्वस्थ व्यक्ति पर इसका कोई असर नहीं होता। लेकिन जिनके शरीर में माइक्रो फाइलेरिया होते हैं, उन्हें मामूली चक्कर, उल्टी, सिर दर्द हो सकता है। दवा खाने बाद चक्कर आने का क्या मतलब है ? इसका मतलब है कि-दवा शरीर में मौजूद फाइलेरिया के कीटाणुओं को मार रही है। यह एक सकारात्मक संकेत है। अगर दवा खाने के बाद तबीयत बिगड़े तो क्या करें? घवराएं नहीं। यह लक्षण स्वतः ठीक हो जाते हैं। अधिक समस्या होने पर स्वास्थ्य केंद्र या रैपिड रिस्पांस टीम से संपर्क करें।

सम्पूर्णता अभियान के तहत जिले में टीबी स्क्रीनिंग अभियान तेज 28 जनवरी से 7 फरवरी तक 1302 लोगों की जांच, 13 टीबी

कोण्डागांव/मूक पत्रिका

सम्पूर्णता अभियान के जिले में क्षय रोग उन्मूलन के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर टीबी स्क्रीनिंग अभियान संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. चतुर्वेदी, जिला क्षय उन्मूलन अधिकारी डॉ. हरेंद्र देवेल के मार्गदर्शन में अभियान की प्रभावी तैयारी कर इसे क्रियान्वित किया जा रहा है।अभियान के अंतर्गत 28 जनवरी 2026 से 7 फरवरी 2026 तक जिले के विभिन्न विकासखंडों में टीबी स्क्रीनिंग की गई, जिसमें कुल 1302 लोगों की जांच की गई। इस दौरान 13 टीबी संदिग्ध मरीज चिन्हित किए गए हैं, जिन्हें आगे की जांच एवं उपचार की प्रक्रिया में शामिल किया गया है। टीबी संदिग्ध मरीजों में प्रमुख लक्षणों के रूप में दो सप्ताह से अधिक समय तक खांसी, खांसी में खून आना, सीने में दर्द, वजन का लगातार घटना, भूख न लगना एवं बुखार शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आमजन से अपील की गई है कि ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तत्काल जांच कराएं। जिले का वार्षिक टीबी उन्मूलन लक्ष्य 900 मरीजों की पहचान एवं उपचार निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु पूरे जिले में सुनियोजित तरीके से टीबी स्क्रीनिंग अभियान चलाया जा रहा है।इस अभियान में मितानिन, एमटी, बीसी, एएनएम, आरएमए, आरएचओ, सुपरवाइजर, बीटीओ, बीपीएम एवं टीबी सुपरवाइजर की संयुक्त टीम द्वारा विद्यालयों, छात्रावासों, अनाथालयों, वृद्धाश्रमों, शांति फाउंडेशन सेंटर, करुणा भवन, नर्सिंग सेंटरों सहित घर-घर भ्रमण कर टीबी स्क्रीनिंग की जा रही है।

जिला बेमेतरा के अब तक 2086 बच्चे हुए कुपोषण से मुक्त, पोषण पुनर्वास केंद्र में बच्चो के साथ पालक भी हो रहा लाभान्वित

कुपोषित बच्चों के लिए वरदान साबित हुई जिला अस्पताल बेमेतरा स्थित एन आर सी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा जिला में जिला के कुपोषित बच्चों को सुपोषित करने के लिए पोषण पुनर्वास केन्द्र एन आर सी (हत्रष्ट) जिला चिकित्साल्य बेमेतरा में संचालित है । जहाँ 1 माह से 05 वर्ष तक के बच्चों को भर्ती कर कुपोषण से मुक्त करने का कार्य किया जाता है। पोषण पुनर्वास केन्द्र में बच्चों को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, ए एन एम, चिरायु के टीम द्वारा भेजा जाता है, एवं पालक स्वयं बच्चों को लाकर भी भर्ती करा सकते है। पोषण पुनर्वास केन्द्र में बच्चों को 15 दिवस तक भर्ती करके पोषन आहार एवं उचित दवाईयों के माध्यम से उपचार किया जा रहा है। पोषण पुनर्वास केन्द्र में गंभीर- कुपोषित बच्चों एवं ऐसे बच्चे जिन्हे लंबे समय से दस्त हो रहा हो, या बार-बार बिमार पड़ते है, ऐसे बच्चे को भी एन आर सी में भर्ती कर सकते है। पोषक आहार में बच्चो को थेरापूटिक फूड, (स्न75, स्न100) फार्मूला मिल्क , एवं समय समय पर नाश्ता (दलिया, हलवा,खिचड़ी, इडली, सेवई आदि) एवं माताओं को दो समय का भोजन प्रदाय किया जाता है, तथा माता को 150 रु. प्रतिदिन का 15 दिवस का 2250.00 रु. छुट्टी पश्चात् प्रदाय किया जाता है।यहाँ पर दि जाने वाली सभी आवश्यक सुविधाएं मुफ्त में प्रदाय किया जाता है। जिला अस्पताल में स्थित पोषण पुनर्वास केन्द्र बेमेतरा में जनवरी, 2013 से संचालित है, जिसमे कुल अब तक 2086 बच्चे भर्ती होकर सुपोषित हो चुके है।

वर्ष	लाभान्तित
2013-14	87
2014-15	127
2015-16	149
2016-17	134
2017-18-	225
2018-19-	208
2019 20	213
2020-21	88
2021-22	33
2022-23	180
2023-24	221
2024-25	224
1अप्रैल 2025 से 9 फ़रवरी 2026 -	197
कुल सुपोषित बच्चे	2086

जिला अस्पताल बेमेतरा के एमसीएच बिल्डिग में स्थित है एन आर सी

पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती बच्चों को सुपोषित करने हेतु स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग से मितानिन व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा विशेष रूप से चिह्नित कर जिला चिकित्सालय बेमेतरा स्थित एन आर सी लाया जा रहा है। उक्त कुपोषित बच्चों को सुपोषित करने जिला के कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर सीएमएचओ डॉ अमृत लाल रोहलेडर एवं,सिविल सर्जन डॉ. लोकेश साहू,के मार्गदर्शन में एवंअस्पताल प्रमुख सलाहकार डॉ स्वाति यदु, शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ दीपक कुमार निराला, चिकित्सा अधिकारी डॉ पवन वर्मा के देखरेख एवं फिडिंग डिमास्ट्रेटर श्रीमति दीप्ति धुरंधर के नेतृत्व में किया जा रहा है,व स्टॉफ नर्स कु. अंकिता वर्मा , श्रीमति लक्ष्मी-परगनिहा,ममता वर्मा ,धनेश्वरी साहू और रोहिणी चंद्राकर के देखरेख में रखा जाता है, साथ में श्रीमति नमिता दुबे (कुक) के द्वारा भोजन तैयार किया जाता है। इन सभी के योगदान से कुपोषित बच्चों को सुपोषित,कुपोषण से मुक्त होकर स्वस्थ्य बच्चे को घर जाने हेतु छुट्टी दिया जाता है,जिनसे राज्य और देश में कुपोषित बच्चों की दर में कमी होने पर योगदान भी रहता है ।

डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम ऑनलाइन स्मार्ट बोर्ड से सीधा प्रसारण आयोजित किया गया

बेमेतरा/मूक पत्रिका

डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के प्रेरणादायक कार्यक्रम 'परीक्षा पर चर्चा' के उद्देश्य और संदेश को विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए विशेष कार्यक्रम व सीधा प्रसारण का आयोजन विद्यालय में लगे डिजिटल कक्षा के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके अभिभावक भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। साथ ही कक्षा 5वी से 9वी एवं 11 वी के विद्यार्थियों ने भी

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में शामिल हुए, परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए मार्गदर्शन के माध्यम से विद्यार्थियों को परीक्षा के तनाव से मुक्त करना तथा उन्हें आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और अनुशासन के साथ परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित करना रहा।कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'परीक्षा पर चर्चा' से जुड़े विचारों, संदेशों और उदाहरणों को विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बताया गया कि प्रधानमंत्री ने परीक्षा को जीवन का उत्सव मानने, सीखने की प्रक्रिया पर ध्यान देने और असफलता से डरने के बजाय उससे सीख लेने का संदेश दिया है।विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के विचार विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने समय प्रबंधन, नियमित अध्ययन, आत्ममूल्यांकन और लक्ष्य निर्धारण के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही यह भी कहा कि मन को शांत रखने के लिए योग, ध्यान और खेल गतिविधियों को अपनाना आवश्यक है।अभिभावकों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने प्रधानमंत्री के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि बच्चों पर अनावश्यक दबाव न डालें, बल्कि उनका मनोबल बढ़ाएँ। बच्चों की तुलना दूसरों से करने के बजाय उनकी रुचि और क्षमता को समझना ही सच्चा मार्गदर्शन है।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भी परीक्षा से जुड़े अपने अनुभव और प्रश्न साझा किए, जिनका समाधान शिक्षकों द्वारा सरल और प्रेरणादायक ढंग से किया गया। इससे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। अंत में विद्यालय प्रबंधन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'परीक्षा पर चर्चा' जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के संपूर्ण जीवन विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अभिभावकों में नेतराम चंद्राकर, देवर्त मिश्रा, रामचरण घृतलहरे व वर्मा, व प्रचार्य पी एल जायसवाल, शिक्षकगण सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं ने भाग लिया लिया। इसी बीच वरिष्ठ नागरिक व पालक नेतराम चंद्राकर ने जानकारी दिया कि हमारे कैबिनेट व शिक्षा मंत्री माननीय गजेंद्र यादव जी का आगमन 11 तारीख दिन बुधवार को 1:00 बजे ग्राम जांता में हो रहे हैं जिसमें उक्त कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों को पहुंचने हेतु अपील भी किए हैं।

ग्राम पंचायत बार में फर्जी प्रस्ताव का आरोप, 2 मेगावाट सोलर पावर प्लांट की अनुमति पर उठे सवाल

बरमकेला (सारंगढ़-बिलाईगढ़)/मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत बार में 2 मेगावाट ग्रिड कनेक्टेड सोलर पावर प्लांट की स्थापना को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच, उपसरपंच एवं सचिव द्वारा बिना पंचों और ग्राम सभा की जानकारी व सहमति के फर्जी तरीके से प्रस्ताव पारित कर अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया गया। इस संबंध में ग्रामीणों ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सारंगढ़ सहित संबंधित अधिकारियों को लिखित शिकायत सौंपकर जांच और कार्रवाई की मांग की है।शिकायत के अनुसार दिनांक 17 अक्टूबर 2025 को ग्राम पंचायत बैठक में प्रस्ताव क्रमांक 1 में केवल मानदेय राशि आहरण पर चर्चा हुई थी, जबकि प्रस्ताव क्रमांक 2 में सोलर पावर प्लांट को लेकर किसी भी प्रकार की चर्चा नहीं हुई। इसके बावजूद बाद में प्रस्ताव पंजी में प्रस्ताव क्रमांक 2 दर्ज कर अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इसी तरह 13 नवंबर 2025 को ग्राम सभा की बैठक आहूत किए बिना ही कार्यवाही पंजी में औद्योगिक प्रयोजन हेतु 2 मेगावाट सोलर पावर प्लांट स्थापना संबंधी और बायोमास पेटेलट का प्रस्ताव दर्ज किए जाने का आरोप है जो की पुरा फर्जी है 17/10/2025 का सोलर का आवेदन जब 13/11/2025 को आया तो 17/10/2025 को कैसे प्रस्ताव पारित हुआ ये संदेह मे है। ग्रामीणों ने बताया कि इस मामले की शिकायत पहले ही जनपद पंचायत बरमकेला के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से की गई थी, जिस पर जांच समिति गठित कर जांच कराई गई। जांच प्रतिवेदन में भी यह स्पष्ट हुआ कि संबंधित तिथियों पर ग्राम सभा की सूचना पंजी में कोई प्रविष्टि नहीं है और प्रस्ताव बिना विधिवत चर्चा के दर्ज किए गए हैं। जांच में यह भी सामने आया कि ग्राम सभा में उपस्थित सदस्यों को विषय की जानकारी नहीं दी गई और बाद में हस्ताक्षर कराए गए।जांच प्रतिवेदन के अनुसार 16 एवं 20 जनवरी 2026 को पंचायत भवन जाकर अभिलेखों का परीक्षण किया गया, जिसमें प्रस्तावों की प्रक्रिया संदिग्ध पाई गई। शिकायतकर्ताओं ने मांग की है कि दिनांक 17.10.2025 के प्रस्ताव क्रमांक 2 तथा दिनांक 13.11.2025 के प्रस्ताव क्रमांक 1 एवं 2 को निरस्त किया जाए।ग्रामीणों का यह भी कहना है कि निर्माण कार्य पर रोक लगाने हेतु आवेदन दिए जाने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल निर्माण कार्य पर रोक लगाने, दोषी सरपंच, सचिव एवं उपसरपंच के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने की मांग की है। मामले ने पंचायत स्तर पर पारदर्शिता और नियमों के पालन को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पीएचसी डुमरपाली में जीवन दीप समिति की सामान्य सभा, विकास कार्यों पर बनी सहमति

डुमरपाली/मूक पत्रिका

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डुमरपाली में 4 फरवरी 2026 को जीवन दीप समिति की सामान्य सभा आयोजित की गई। बैठक में जनपद पंचायत अध्यक्ष सुजाता चौहान, जनपद सदस्य सुकलाल चौहान और जनपद सदस्य शिवकुमारी साहू की मौजूदगी रही।कार्यक्रम की शुरुआत में कार्तिक चौहान ने जीवन दीप समिति के गठन और उसके उद्देश्य की जानकारी दी। इसके बाद संस्था प्रभारी और समिति के सचिव युगल कुमार पटेल ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। साथ ही अस्पताल की आगामी कार्ययोजना पर प्रस्ताव रखे गए।बैठक में अस्पताल परिसर में शेड निर्माण, छोटी मरम्मत, सामने चेकर टाइल्स लगाने, हर्बल गार्डन विकसित करने और सौंदर्यीकरण जैसे कार्यों पर चर्चा हुई। उपस्थित सदस्यों ने प्रस्तावों को सहमति दी।चर्चा के दौरान प्रभारी बीईटीओ लोइंग ने बताया कि पीएचसी डुमरपाली में बड़ी संख्या में मरीज और प्रसव के लिए महिलाएं आती हैं। केंद्र ने अपने प्रसव लक्ष्य को लगातार पूरा किया है। जनपद पंचायत अध्यक्ष ने पीएचसी के विकास के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। अंत में आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ. निकिता तिवारी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन नेत्र सहायक अधिकारी कार्तिक राम चौहान ने किया।बैठक में समिति के सदस्य पोतराम पटेल, शिवलाल साहू, श्यामसुंदर पटेल सहित अस्पताल स्टाफ और क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। डुमरपाली सरपंच डोलकुमारी और संजय सारथी का विशेष योगदान रहा।

अवैध रेत परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई, कोसीर और सरिया क्षेत्र में 08 ट्रैक्टर जप्त..

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देश एवं खनिज अधिकारी बजरंग पैकरा के मार्गदर्शन में खनिज अमला द्वारा विगत दिनों लगातार कार्यवाही में सारंगढ़ तहसील के ग्राम मल्दा, दहिदा एवं जसपुर क्षेत्र अंतर्गत गौण खनिज रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त 02 वाहन ट्रैक्टर, 05 ट्रैक्टर पर कार्यवाही करते हुए थाना कोसीर के सुरक्षार्थ में दिया गया। इसी तरह सरिया तहसील के पिहरा क्षेत्र में रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त 03 ट्रैक्टर पर कार्यवाही करते हुए थाना सरिया के सुरक्षार्थ में दिया गया। यह कार्यवाही छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 और खान एवं खनिज विकास अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत की गई। अवैध उत्खनन परिवहन एवं भण्डारण पर कार्यवाही निरंतर जारी रहेगा।

दसवी, बारहवीं बोर्ड परीक्षा के मद्देनजर ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर कलेक्टर ने लगाया प्रतिबंध

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ संजय कन्नौजे ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा वर्ष 2026 को ध्यान में रखते हुए परीक्षार्थियों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से ध्वनि प्रदूषण (नियमन तथा नियंत्रण) नियम, 2000 छ.ग. कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 के तहत ध्वनि विस्तारक यंत्रों के संचालन पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध का आदेश जारी कर लागू किया है। विशेष एवं अपरिहार्य परिस्थितियों में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग हेतु संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी सारंगढ़ और बिलाईगढ़ द्वारा नियमानुसार सीमित अवधि, समय एवं शर्तों के अधीन अनुमति प्रदान की जा सकेगी। उल्लेखनीय है कि बोर्ड परीक्षा 20 फ़रवरी 2026 से 18 मार्च 2026 तक संभावित है।

खरीफ2026 के लिए रासायनिक उर्वरकों का अग्रिम उठाव प्रारंभ, 37,800 मीट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

खरीफ वर्ष 2026 की फसल को ध्यान में रखते हुए किसानों को समय पर रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा 01 फरवरी 2026 से 31 मई 2026 तक रासायनिक उर्वरकों के अग्रिम उठाव की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। कृषि विभाग द्वारा खरीफ मौसम 2026 के लिए जिले में विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों का कुल 37,800 मीट्रिक टन लक्ष्य निर्धारित किया गया है। निर्धारित लक्ष्य के अंतर्गत यूरिया 16,600 मीट्रिक टन, डीएपी 10,000 मीट्रिक टन, एन.पी.के. 6,000 मीट्रिक टन, एमओपी 2,200 मीट्रिक टन तथा एसएसपी 3,000 मीट्रिक टन उर्वरकों का अग्रिम उठाव किया जाएगा। कृषि विभाग ने किसानों को राहत देते हुए यह भी स्पष्ट किया है कि 01 फरवरी 2026 से 31 मई 2026 की अवधि में सहकारी समितियों के माध्यम से उठाव किए गए रासायनिक उर्वरकों पर कृषकों से किसी भी प्रकार की ब्याज राशि अधिभारित नहीं की जाएगी। इससे किसानों को समय रहते आवश्यक उर्वरक सुलभ हो सकेंगे। उप संचालक कृषि श्री मोरध्वज डड़सेना ने जिले के सभी कृषकों से अपील की है कि वे खरीफ वर्ष 2026 हेतु आवश्यक रासायनिक उर्वरकों का अग्रिम उठाव अपने नजदीकी सहकारी समितियों से समय रहते कर लें, जिससे खरीफ मौसम के दौरान उर्वरकों की संभावित कमी, अनावश्यक भीड़ तथा वितरण संबंधी समस्याओं से बचा जा सके।उन्होंने

मतदाता जागरूकता को लेकर जिलेभर में गठित होंगे मतदाता साक्षरता क्लब

बेमेतरा/मूक पत्रिका

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार जिले में मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मतदाता साक्षरता क्लब का गठन किया जाएगा। यह क्लब जिले के समस्त मतदान केन्द्रों, स्कूलों, कॉलेजों, उच्च शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ शासकीय एवं अशासकीय कार्यालयों में गठित किए जाएंगे।इस पहल के अंतर्गत विभिन्न आयु वर्ग एवं संस्थानों को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग श्रेणियों में मतदाता साक्षरता क्लब बनाए जाएंगे। ईएलसी ङ्क फ्यूचर वोटर्स का गठन स्कूल स्तर पर किया जाएगा, जिसमें नोडल अधिकारी के रूप में शिक्षक नियुक्त होंगे। इस क्लब में कक्षा 9 से 12 तक के 14 से 17 वर्ष आयु वर्ग के छात्र-छात्राएं सदस्य होंगे, जिन्हें मतदान प्रक्रिया, मतदाता अधिकार एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की जानकारी दी जाएगी। इसी प्रकार ईएलसी ङ्क न्यू वोटर्स का गठन महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में किया जाएगा। इस श्रेणी में नोडल अधिकारी के रूप में प्रोफेसर अथवा सहायक प्रोफेसर होंगे तथा 18 से 21 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थी इसके सदस्य बनेंगे। इन क्लबों के माध्यम से नए मतदाताओं को नामांकन, मतदान प्रक्रिया एवं जिम्मेदार नागरिक की भूमिका के बारे में जागरूक किया जाएगा। विश्वविद्यालय, व्यावसायिक एवं तकनीकी शिक्षण संस्थानों सहित अन्य शैक्षणिक संस्थानों में ईएलसी ङ्क चुनाव पाठशाला गठित की जाएगी। इसमें संबंधित मतदान केन्द्र क्षेत्र के बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) नोडल अधिकारी होंगे तथा मतदान केन्द्र क्षेत्र के ग्रामीण सदस्य इसमें सम्मिलित रहेंगे, जिससे ग्रामीण मतदाताओं तक जागरूकता का संदेश प्रभावी रूप से पहुँच सके। इसके अलावा जिले के शासकीय एवं अशासकीय कार्यालयों में ईएलसी ङ्क वोटर अवेयरनेस फोरम का गठन किया जाएगा।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ : ग्राम देवसर में 'वीबी जी राम जी अधिनियम 2025' पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले के सारंगढ़ जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम मल्दा के आश्रित ग्राम देवसर में वीबी जी राम जी अधिनियम 2025 को लेकर एक जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय उपस्थित रहे।जिला पंचायत अध्यक्ष पांडेय ने अपने संबोधन में विकसित ग्राम पंचायत प्लान के अंतर्गत किए जाने वाले सभी कार्यों को विकसित भारत नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर स्टेट से एकीकृत किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस कानून के तहत ग्रामीणों को 125 दिवस रोजगार की गारंटी, 7 दिवस के भीतर मजदूरी भुगतान, तथा त्वद्धत्र आधारित पीएम गति शक्ति योजना से जुड़ी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु में खेती-किसानी के समय किसानों के हित में दो माह तक कार्य बंद रखने का प्रावधान है। साथ ही प्राकृतिक आपदाओं एवं असाधारण परिस्थितियों में विशेष कार्य योजनाएं बनाई जाएंगी। प्रशासकीय मद की राशि में बढ़ोतरी कर इसे 9 प्रतिशत किया गया है। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2047 तक विकसित ग्राम पंचायतों का निर्माण करना है।इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु ऑपरेशन, गाइडेंस, कोऑर्डिनेशन एवं मॉनिटरिंग के लिए राज्य स्तरीय संचालन समिति गठित किए जाने की भी जानकारी दी गई। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2014 से अब तक के कार्यकाल में ग्रामीण विकास, रोजगार और अधोसंरचना क्षेत्र में किए गए ऐतिहासिक कार्यों का उल्लेख किया। श्री पांडेय ने बताया कि वीबी जी राम जी अधिनियम 2025 ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने, युवाओं के विकास तथा रोजगार सृजन की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। इस अधिनियम के तहत सामूहिक जल सुरक्षा, ग्रामीण बुनियादी ढांचा, आजीविका संपत्ति निर्माण और जलवायु संरक्षण को बढ़ावा दिया जाएगा।

19 फ़रवरी तक छूटे बच्चों के लिए स्कूलों में होगा आधार पंजीयन एवं बायोमेट्रिक अपडेट कैंप

5 से 15 वर्ष के बच्चों का बनेगा आधार कार्ड

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

मुख्य सचिव विकासशील द्वारा वीसी के माध्यम से जिले में आधार सेचुरेशन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं, जिसके पालन में 05 से 15 वर्ष के बच्चों के आधार कार्ड बनाने के लिए जिले के चिन्हांकित स्कूलों में आधार पंजीयन एवं बायोमैट्रिक अपडेट कैंप लगाया जाएगा। 09 फरवरी से 19 फरवरी तक लगने वाले कैंप के माध्यम से शासकीय एवं निजी विद्यालयों में अध्ययनरत 05 वर्ष से 15 वर्ष के ऐसे बच्चों, जिनका आधार कार्ड नहीं बना है अथवा जिनका बायोमेट्रिक अपडेट लंबित है, उनके लिए विद्यालय स्तर पर आधार पंजीयन कर कार्ड बनाया जाएगा। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने एवं कैंप के सफल आयोजन के लिए जरूरी दिशा निर्देश दिए हैं। ईडीएम गंगाधर विश्वकर्मा ने बताया की आधार कार्ड बनाने एवं बायोमेट्रिक अद्यतन के लिए कैंप के माध्यम से नए आधार कार्ड और बायोमेट्रिक अद्यतन करने का शत प्रतिशत लक्ष्य कर रखा गया है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा सभी प्राचार्य एवं प्रधान पाठकों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने कैंप आयोजन से पहले स्कूलों को आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने तथा आधार से छूटे हुए बच्चों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि आधार कार्ड बनाने के लिए प्रत्येक बच्चे के लिए जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल आईडी तथा पालक, अभिभावक का आधार कार्ड आदि दस्तावेज लगेंगे।पालक एवं अभिभावकों को पूर्व सूचना देकर निर्धारित तिथि पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने के लिए अवगत कराया जाएगा। कैंप आयोजन हेतु विद्यालय में उपयुक्त कक्ष, फर्नीचर, विद्युत व्यवस्था तथा आवश्यकता अनुसार इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

जहाँ अपील भी बन जाए औपचारिकता, वहाँ RTI कैसे बने पारदर्शिता का हथियार?

भ्रष्टाचार पर 'मेहरबान' रायगढ़ सीईओ ! साहब को RTI अधिनियमों का ज्ञान नहीं या गुनाहगारों को बचाने की है बड़ी सेटिंग?

रायगढ़/मूक पत्रिका

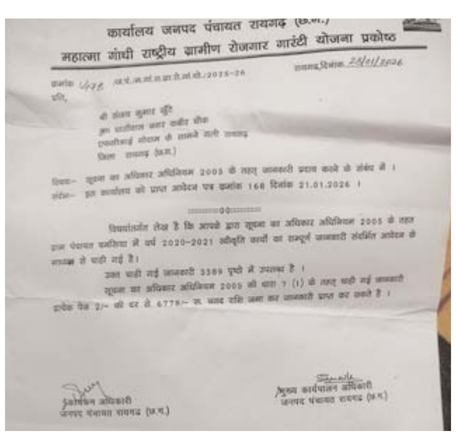
कार्यालय जनपद पंचायत रायगढ़ (छ.ग.)
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना प्रकोष्ठ

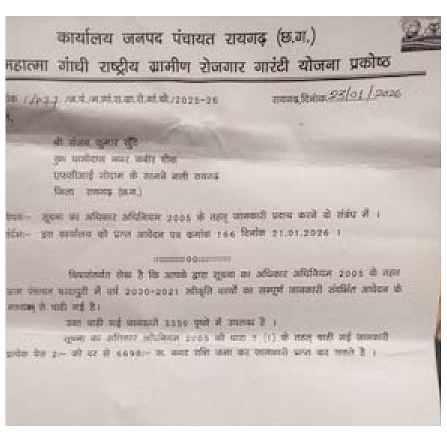
कार्यालय जनपद पंचायत रायगढ़ (छ.ग.)
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना प्रकोष्ठ

भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने तथा विकास कार्यों की पारदर्शिता के लिए बनाए गए RTI अधिनियमो की जिले में खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है। रायगढ़ जनपद पंचायत में सूचना का अधिकार कानून कागज़ी औपचारिकता बनकर रह गया है। ग्राम पंचायत बरदापुटी, बनसिया से जुड़े एक RTI मामले ने प्रशासनिक जवाबदेही की पोल खोल दी है, जहाँ जन सूचना अधिकारी (सचिव) द्वारा समय पर जानकारी न देने के बावजूद अपीलीय अधिकारी जनपद पंचायत रायगढ़ के प्रथम अपील के बाद आवेदक को निशुल्क जानकारी दी जाती है लेकिन प्रथम अपिलीय अधिकारी के द्वारा उल्टा आवेदक को राशि मांग पत्र का लेटर जारी किया गया है दरअसल, आवेदक ने 23/11/2025 को वर्ष 2020 से 2021 तक के मनरेगा संबंधित बिंदुओं की जानकारी की प्रमाणित प्रतियां मांगी थीं, लेकिन निर्धारित समयसीमा में न तो सूचना दी गई और न ही कोई जवाब। मजबूर होकर आवेदक ने प्रथम अपील दायर की 21 जनवरी 2026 को हुई अपील की गई फिर प्रथम अपील अधिकारी के द्वारा आवेदक को राशि मांग के लिए 27 जनवरी 2026 को नोटिस भेजा गया बरदापुटी की जानकारी के 6698 रूपए, व बनसिया की जानकारी के लिए 6778 रूपए की माँग की गई है सबसे गंभीर बात यह कि RTI कानून की समय सीमा में सूचना देने में देरी हुई है और ऐसे में अपील पर जानकारी निःशुल्क दी जाती है। मगर बड़ी विडंबना की बात है कि ग्राम पंचायत बरदापुटी, बनसिया यह पूरा प्रकरण रायगढ़ जनपद में ऋञ्चद्ब कानून के मज़ाक और दोषियों को संरक्षण देने का उदाहरण बन गया है।आरटीआई अधिनियम, 2005 की धारा 7(6) के तहत, यदि जन सूचना अधिकारी निर्धारित 30 दिनों की समय सीमा में सूचना प्रदान करने में विफल रहता है, तो प्रथम अपील या उसके बाद आवेदक को सूचना निःशुल्क (फ्री ऑफकॉस्ट) दी जाती है प्रथम अपील के बाद आवेदक को निःशुल्क जानकारी पाने का अधिकार हैअपीलीय अधिकारी का संरक्षण या अधिनियम की जानकारी का अभाव?नियम विपरीत आरटीआई की प्रथम अपील करने के मामले में अब कई सवाल खड़े हो रहे हैं। क्या पंचायत के व्याप्त भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए जानबूझकर गुमराह किया जा रहा ? या फिर भ्रष्ट सचिव को जनपद के अपीलीय अधिकारी का खुला संरक्षण प्राप्त है या उन्हें सूचना के अधिकार अधिनियम पूर्ण ज्ञान ही नहीं?

अपीलीय अधिकारी की संदिग्ध भूमिकाज

पुरे मामले में कही न कही अपीलीय अधिकारी द्वारा भ्रष्टाचार को छिपाने में सहयोग करने कि बात से इंकार नहीं किया जा सकता। जो कि नैतिक जिम्मेदारियां की विपरीत है और उनके संदिग्ध भूमिका पर सवाल खड़े कर रहे हैं। फिलहाल आवेदक ने दुतीय अपील राज्य सुचना आयोग को अपिल करने कि तैयारी कि जा रही है।बहरहाल जन सूचना अधिकारी के भ्रष्टाचार और मनमानी पर अंकुश लगाने के लिए अपील अधिकारी कानून द्वारा नियुक्त है लेकिन जब अपील भी संरक्षण में बदल जाए तो ऋञ्चद्ब सिर्फ कागज़ों की शोभा रह जाती है।

कलेक्टर डॉ संजय ने मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह के लिए कार्यक्रम स्थल का लिया जायजा

सारंगढ़ बिलाईगढ। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना से जिला स्तर पर वर वधुओं के विवाह की तैयारी के लिए कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। यह कार्यक्रम कृषि उपज मंडी प्रांगण में आगामी सप्ताह में किया जाना निर्धारित है। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास अधिकारी उत्तम प्रसाद को समारोह की व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, तहसीलदार प्रकाश पटेल उपस्थित थे।

14 मार्च को होगा नेशनल लोक अदालत का आयोजन

सारंगढ़-बिलाईगढ। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में अधीनस्थ न्यायालय से उच्च न्यायालय तक के सभी न्यायालयों में वर्ष 2026 का पहला नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च को किया जाएगा, जिसमें राजीनामा योग्य प्रकरणों में पक्षकारों की आपसी सुलह समझौता से निराकृत किए जाएंगे। नेशनल लोक अदालत के संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय से सम्पर्क कर जानकारी ली जा सकती है। नेशनल लोक अदालत के संबंध में सबंधित व्यक्ति माननीय न्यायालय, राजस्व विभाग के कलेक्टर, अपर कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार के माननीय न्यायालय, पुलिस विभाग, नगर निगम, नगरपालिका, नगर पंचायत, बीएसएनएल, विद्युत विभाग, समस्त बैंको आदि से संपर्क कर सकते हैं। नेशनल लोक अदालत में राजीनामा के आधार पर निराकरण के लिए दाण्डिक राजीनामा योग्य प्रकरण, चेक बाउन्स वाले मामले, बैंक रिकवरी अर्थात् प्री-लिटिगेशन प्रकरण, मोटरयान अधिनियम से संबंधित प्रकरण, मेन्टेनेन्स धारा के प्रकरण, परिवार न्यायालय से संबंधित प्रकरण, श्रमिक प्रकरण, जमीन विवाद प्रकरण, विद्युत प्रकरण, जलकर प्रकरण, सम्पत्ति कर, टेलीफोन प्रकरण तथा राजस्व प्रकरणों को नियत किया गया है और उपस्थित पक्षकारगण के मध्य उपजे विवाद को वैकल्पिक समाधान के तहत लोक अदालत में उनके मध्य राजीनामा की सम्भावनाओं को तलाश करते हुए निराकरण किया जाएगा।

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट की नजर में क्या है चुनाव आयोग की प्रक्रिया ?

निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर उठ रहे सवालों का सिलसिला थम नहीं रहा है। बिहार से शुरू हुआ विवाद उत्तर प्रदेश से होकर अब पश्चिम बंगाल में केंद्रित हो गया है। पुनरीक्षण प्रक्रिया का मकसद मतदाता सूची से अपात्र लोगों को बाहर करना है, जिनमें स्थान बदलने वाले नागरिक या जिनकी मौत हो चुकी है या फिर गलत तरीके से नाम दर्ज कराने वाले लोग शामिल हो सकते हैं। चुनाव में शुचिता सुनिश्चित करने के लिए इस कवायद को जरूरी माना गया है और इस पर किसी को आपत्ति नहीं होगी, मगर इसमें सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू है पारदर्शिता और निष्पक्षता का। विभिन्न राज्यों में इस प्रक्रिया के तहत मसविदा मतदाता सूची से जितनी बड़ी संख्या में लोगों के नाम बाहर होने के दावे किए जा रहे हैं, उससे आम नागरिकों के मन में कई तरह की आशंकाएं पैदा हो गई हैं। इससे संबंधित मामले में पश्चिम बंगाल सरकार ने बुधवार को सर्वोच्च न्यायालय में अपना पक्ष रखते हुए आरोप लगाया कि राज्य के लोगों के अधिकारों का हनन हो रहा है। इस पर शीर्ष अदालत ने कहा कि हर समस्या का समाधान होता है और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी पात्र व्यक्ति मताधिकार से वंचित न रहे। गौरतलब है कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में ऐसी शिकायतें सामने आई हैं कि नागरिकों के नाम मनमाने तरीके से मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए और उन्हें इस संबंध में कारणों की जानकारी भी नहीं दी गई। ऐसे में निर्वाचन आयोग की इस प्रक्रिया में मतदाता सूची से बाहर होने वाले लोगों को समय पर सूचित करने और उन्हें अपनी पात्रता साबित करने के पर्याप्त अवसर देने को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। जाहिर है, अगर पुनरीक्षण को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने को प्राथमिकता दी जाती, तो संभवतः अनावश्यक विवाद खड़े नहीं होते। इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के संदर्भ में स्पष्ट निर्देश दिया था कि इस पूरी प्रक्रिया में तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में रखे गए मतदाताओं का सत्यापन पारदर्शी ढंग से होना चाहिए, ताकि इससे नागरिकों को किसी भी तरह की असुविधा या तनाव न हो। आयोग को तार्किक विसंगति सूची में नामों का उल्लेख करने के कारणों को तत्काल सार्वजनिक करना चाहिए, ताकि संबंधित व्यक्ति यह जान सके कि गड़बड़ कहां हुआ है और उसमें अपेक्षित सुधार किया जा सके। दावा किया जा रहा है कि राज्य में नाम, उपनाम या आयु में गड़बड़ी को लेकर अब तक 1.36 करोड़ लोगों को तार्किक विसंगतियों के उल्लंघन के लिए नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

उक्त वर्णित मुक्त व्यापार समझौता विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इसके पूर्व, सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के रूप में चीन एवं 10 आशियान देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते को माना जाता है। यह केवल एक मुक्त व्यापार समझौता नहीं बल्कि यूरोपीय यूनियन के 27 देशों एवं भारत के बीच साझा समृद्धि का एक ब्लूप्रिंट है। दिनांक 27 जनवरी 2026 को यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के साथ भारत ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है। अब, इस समझौते की शर्तों को इन देशों की संसद द्वारा पारित किया जाएगा, इसके बाद यह मुक्त व्यापार समझौता यूरोपीय यूनियन एवं भारत के बीच होने वाले विदेशी व्यापार पर लागू हो जाएगा। इस मुक्त व्यापार समझौते को 'मदर आफ ऑल डील्स' कहा जा रहा है।

भारत वसुधैव कुटुम्बकम के भाव के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न कर रहा है

(प्रह्लाद सबनानी)

क्योंकि, यह मुक्त व्यापार समझौता विश्व के 28 देशों के उस भूभाग पर लागू होने जा रहा है, जहां विश्व की 30 प्रतिशत आबादी निवास करती है। पृथ्वी के इस भूभाग पर 200 करोड़ से अधिक नागरिकों का निवास है। इन 28 देशों की संयुक्त रूप से विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 25 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी (संयुक्त रूप से) अर्थव्यवस्था (यूरोपीय यूनियन - 22 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) एवं चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (भारत - 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) के बीच यह मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न होने जा रहा है। वैश्विक स्तर पर होने वाले विदेशी व्यापार में इन समस्त देशों की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत है। पूरी दुनिया में 33 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार होता है, इसमें से 11 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार उक्त 28 देशों द्वारा किया जाता है।

उक्त वर्णित मुक्त व्यापार समझौता विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इसके पूर्व, सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के रूप में चीन एवं 10 आशियान देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते को माना जाता है। यह केवल एक मुक्त व्यापार समझौता नहीं बल्कि यूरोपीय यूनियन के 27 देशों एवं भारत के बीच साझा समृद्धि का एक ब्लूप्रिंट है। इस समझौते में पूरी दुनिया की आर्थिक दशा एवं दिशा बदलने की क्षमता है। उक्त व्यापार समझौता को सम्पन्न करने के प्रयास पिछले 18 वर्षों से हो रहे थे। परंतु, कुछ विपरीत परिस्थितियों के चलते इस समझौते को सम्पन्न होने में इतना लम्बा समय लग गया है, अतः यह अब भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 देशों के बीच एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात वर्ष 2032 तक यूरोपीयन यूनियन के सदस्य देशों एवं भारत के बीच विदेशी व्यापार के दुगना होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसके पूर्व भारत एवं यूनाइटेड किंगडम के बीच भी मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न किया जा चुका है। अब कनाडा के प्रधानमंत्री भी संभवतः मार्च माह में भारत के दौरे पर आने वाले है और भारत एवं कनाडा के बीच भी कुछ क्षेत्रों में व्यापार समझौता सम्पन्न होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अमेरिका मुक्त व्यापार समझौतों को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, जबकि भारत मानवतावादी दृष्टिकोण को अपनाते हुए विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है ताकि भारत एवं अन्य समस्त देशों में निवासरत नागरिकों को इन समझौतों से लाभ मिले। यह भारतीय संस्कृति के वसुधैव कुटुम्बकम के भाव को दर्शाता है। भारत की इस नीति के चलते ही विश्व के कई देश अब भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते शीघ्र ही सम्पन्न करना चाह रहे हैं। वैश्विक स्तर पर हाल ही के समय में आर्थिक क्षेत्र में भारी उथल पुथल दिखाई दे रही है। भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते से इस उथल पुथल में कुछ सुधार आता हुआ दिखाई देगा। भारत में कृषि एवं डेयरी क्षेत्र अतिसंवेदनशील है। क्योंकि, भारत की कुल आबादी का लगभग 60 प्रतिशत भाग आज भी ग्रामीण इलाकों में उक्त क्षेत्रों पर अपनी आजीविका के लिए निर्भर है। अतः उक्त दोनों क्षेत्रों को मुक्त व्यापार समझौते से बाहर रखा गया है। हां, भारत के समुद्री उत्पाद उद्योग, वस्त्र एवं परिधान उद्योग, जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग, चमड़ा उद्योग, खिलौना उद्योग जो श्रम आधारित उद्योग हैं, को उक्त मुक्त व्यापार समझौते से अधिकतम लाभ होगा क्योंकि यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों द्वारा भारत से उक्त उत्पादों के आयात पर आयात ड्यूटी को शून्य किया जा रहा है। वर्तमान में भारत से समुद्रीय उत्पादों के निर्यात पर 26 प्रतिशत का आयात कर लगाया जाता है, जिसे मुक्त व्यापार समझौता के लागू होने के पश्चात शून्य कर दिया जाएगा। इसी प्रकार, वस्त्र एवं परिधान के आयात पर वर्तमान में लागू 12 प्रतिशत के आयात कर को शून्य किया जा रहा है, खिलौना पर लागू 4.7 प्रतिशत के आयात कर को शून्य, जेम्स एवं ज्वेलरी के आयात पर 4 प्रतिशत से शून्य, केमिकल उत्पादों के आयात पर 12.8 प्रतिशत से शून्य, चमड़ा से निर्मित उत्पादों के आयात पर 17 प्रतिशत से शून्य, फर्नीचर उत्पादों के आयात पर 10.7 प्रतिशत से शून्य आयत कर किया जा रहा है।

यूरोपीय यूनियन के 27 देश, जो विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हैं, में जन्म दर पिछले कई वर्षों से लगातार गिर रही है एवं कुछ देशों में तो यह शून्य के स्तर पर पहुंच गई है जिससे इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सेवा क्षेत्र में कार्य करने वाले नागरिकों का इन देशों में नितांत अभाव दिखाई देता है। अतः इन देशों में श्रमबल की भारी कमी है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात भारतीय नागरिकों को यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों में तकनीकी क्षेत्र, चिकित्सा क्षेत्र, निर्माण क्षेत्र, सेवा क्षेत्र, आदि में रोजगार के भारी मात्रा में अवसर प्राप्त होंगे। इन समस्त देशों द्वारा भारतीय नागरिकों को वीजा प्रदान करने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। युनाईटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रान्स आदि जैसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं जैसे देशों में भारतीय इंजिनीयरों एवं डाक्टरों की भारी मांग है। उक्त देशों द्वारा भारतीयों के परिवार के सदस्यों को रोजगार प्रदान करने के अवसर भी प्रदान करने सम्बंधी प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। भारतीय विद्यार्थियों द्वारा यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों के विश्वविद्यालयों में अपनी शिक्षा समाप्त करने के उपरांत 9 माह से 12 माह तक का समय रोजगार तलाशने के लिए प्रदान किया जाएगा। इस समयावधि तक भारतीय युवाओं को इन देशों में प्रवास की अनुमति प्रदान की जाएगी।

भारतीय कारीगरों के लिए अब वैश्विक बाजार खुल रहा है। साथ ही, भारत अब विनिर्माण इकाईयों का वैश्विक केंद्र बन सकता है। क्योंकि, यूरोपीयन यूनियन के समस्त देश विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हैं एवं वे अपनी सम्पत्ति/पूंजी का निवेश भारत में विनिर्माण इकाईयों में कर सकते हैं एवं कुछ लाभप्रद क्षेत्रों में वे अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना भी कर सकते हैं। अधिक उत्पादन इकाईयों की स्थापना से भारत में रोजगार के अधिक अवसर भी निर्मित होंगे। इससे भारत में बेरोजगारी की समस्या का हल भी निकलता हुआ दिखाई दे रहा है।

भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को इस दृष्टि के साथ सम्पन्न किया जा रहा है ताकि इससे भारत के किसान, मजदूर, कारीगर, पेशेवर नागरिकों एवं सूक्ष्म, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को विशेष लाभ हो। यूरोपीयन यूनियन के समस्त 27 देशों में वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र का आकार 26,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है, इससे भारत से वस्त्र एवं परिधान का निर्यात वर्तमान में 64,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसी प्रकार, चमड़ा उत्पादों का बाजार 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है एवं जेम्स एवं ज्वेलरी का बाजार 7,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। 27 देशों में इस विशाल क्षेत्र में भारतीय वस्त्र एवं परिधान उद्योग एवं अन्य उत्पादों को प्रवेश मिलने से भारत में श्रम आधारित कई सूक्ष्म, छोटी एवं मध्यम इकाईयों को लाभ होने जा रहा है। लगभग इसी प्रकार का लाभ अन्य क्षेत्रों यथा, समुद्री उत्पाद, चमड़ा उत्पाद, खिलोना उत्पाद, जेम्स एवं ज्वेलरी उत्पाद, केमिकल उत्पाद, फर्नीचर उत्पाद आदि, में कार्यरत इकाईयों की भी होने जा रहा है। इन क्षेत्रों में कार्यरत विनिर्माण इकाईयों के व्यापार में वृद्धि का आश्य सीधे सीधे अधिक श्रमबल की आवश्यकता होना भी है, जिसकी पूर्ति आज विश्व में केवल भारत ही कर सकता है।

रक्षा के क्षेत्र में भारत बहुत तेज गति से विकास कर रहा है। इस क्षेत्र में भारत का अंतिम लक्ष्य आत्मनिर्भरता हासिल करने का है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन द्वारा यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों को सुरक्षा के सम्बंध में अमेरिका पर निर्भर नहीं रहते हुए अपने पैरों पर खड़े होने की सलाह दी है। अतः यूरोपीय देश अपने सुरक्षा बजट में अत्यधिक वृद्धि करने का विचार कर रहे हैं। भारत के लिए ऐसे समय पर उक्त मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जाना एक सुनहरे अवसर के रूप में सामने आया है। इससे सुरक्षा के क्षेत्र में उत्पादन कर रही भारतीय कम्पनियों को यूरोपीय यूनियन का अति विशाल बाजार मिलने जा रहा है। इसी के साथ ही यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों से सुरक्षा के क्षेत्र में उच्च तकनीकी का हस्तांतरण भारतीय कम्पनियों को सम्भव हो सकेगा। कुल मिलाकर यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों के साथ सम्पन्न किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौते से भारत के लिए अतिलाभप्रद स्थिति बनने जा रही है। (लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आम बजट 2026-27 से होगा समावेशी विकास, विकसित बनेगा भारत

(मनोज गोयल)

केंद्रीय बजट भारत को 2047 तक विकसित बनाने की दिशा में अगला महत्वपूर्ण कदम प्रतीत होता है। दरअसल, केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने देश की अर्थव्यवस्था को निरंतर मजबूत बनाए रखने के लिए जो निर्णायक कदम उठाए हैं, उससे देश के विकास को रफ्तार मिलेगी।

राष्ट्वादी पार्टी भाजपा ने अमृत काल में विकसित भारत के दृष्टिगत विगत एक दशक से जारी अनवरत समावेशी विकास के तहत एनडीए सहयोगियों को भरोसे में लेकर जिस प्रकार से आम बजट 2026-27 को प्रस्तुत किया, उसमें आरएसएस की जनोन्मुखी सोच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सियासी दूरदर्शिता और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की आर्थिक शिल्पकारिता का सटीक संदेश मिलता है। इससे विगत 12 वर्षों से जारी चतुर्दिक विकास को और अधिक बढ़ावा मिलेगा, और सियासी संसारमें मजबूत भारत का डंका बजेगा। भारत अब अमेरिका और चीन से प्रतियोगिता करेगा और राष्ट्वादी कार्यकर्ताओं के कठिन परिश्रम से अगले दशक तक उन्हें भी मात देगा। दुनियादारी के विशेषज्ञों की टिप्पणियों से भी इस बात की तस्दीक की जा सकती है।

आम बजट 2026-27 साफगोई पूर्वक प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की नीतियों और सुशासन की निरंतरता को रेखांकित करता है। यह केंद्रीय बजट भारत को 2047 तक विकसित बनाने की दिशा में अगला महत्वपूर्ण कदम प्रतीत होता है। दरअसल, केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने देश की अर्थव्यवस्था को निरंतर मजबूत बनाए रखने के लिए जो निर्णायक कदम उठाए हैं, उससे देश के विकास को रफ्तार मिलेगी। चूंकि जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भरोसा करती है, इसलिए उसकी समग्र बेहतरी के लिए लाया हुआ यह युवा बजट हरेक दृष्टि जनकल्याणकारी है।

वर्तमान बजट में समाज के सभी वर्गों के लिए कुछ न कुछ खास जरूर है, जिससे सबका साथ, सबका विकास जैसी लोकतांत्रिक जनभावना को जनविश्वास हासिल होता है और सरकार को मजबूती मिलती है। सरकार ने कोशिश की है कि युवाओं, किसानों, महिलाओं, कामगारों, उद्यमियों और बुजुर्गों के निजी व सार्वजनिक हितों का संबर्धन होता रहे। मौजूदा बजट हमारे लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र की प्रगति करता है, देश में उत्पादन क्षमता में वृद्धि करता है, पशुपालन और मत्स्य पालन क्षेत्रों में काम करने वालों के उज्ज्वल भविष्य को मजबूत बनाता है, नए रोजगार और कौशल बढ़ाता है, जिससे निश्चय ही विकास की गति तेज होगी। इसलिए मैं इस बजट को विकसित भारत 2047 के स्वर्णिम भविष्य के लिए तैयार युवा बजट कहूंगा। क्योंकि यह वास्तव में एक ऐसा बजट है जो भारत की जरूरत और लक्ष्य को हासिल करने की नींव रखता है।

जैसा कि हमारे दिग्गज नेताओं ने एक स्वर से कहा भी है कि यह आम बजट देश और इसकी जनता के अरमानों को पंख लगाता है, जिससे गरीब, युवा और बेरोजगार सबको आगे बढ़ने के सुनिश्चित साधन मिलते हैं। चूंकि देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास और भरोसा करती है, इसलिए बजट का मुख्य उद्देश्य विकास और प्रगति दोनों है, क्योंकि इसमें देश और उसकी जनता की सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक कदम उठाया गया है।इसके सभी प्रावधान आम जनता के लिए ही बनाए गए हैं। इसलिए आम बजट 2026-27 विकास और प्रगति पर केंद्रित बजट है। जिससे देश के लोग खुश हैं। इस बजट की सियासी आलोचना के अलावा अन्य की कोई गुंजाइश नहीं है। इससे मोदी है तो मुमकिन है, का भाव और मजबूत हुआ है।

भविष्य में भारत को और अधिक समृद्ध और खुशहाल बनाने के लिए सरकार के संकल्प को दर्शाता है। जब महज 12 वर्षों के भाजपा और राजग शासनकाल में भारत, अमेरिका और चीन को रणनीतिक कूटनीतिक स्वायत्तता जैसी टक्कर देने की स्थिति में पहुंच चुका है तो अगले 10 वर्षों और खासकर विकसित भारत 2047 तक भारत की अंतरराष्ट्रीय हैसियत क्या होगी, समझना मुश्किल नहीं है। (लेखक भाजपा नेता व पूर्व पार्षद हैं)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जेफी एपस्टीन की फाइल से उठे सवालों के जवाब जानकर आपका हैरान होना पक्का है

जेफी एपस्टीन पहले ही यौन अपराधों में दोषी ठहराया जा चुका था। वर्ष 2008 में उसे सजा मिली, पर वह कड़े दंड से बच गया। वर्ष 2019 में उसे फिर नाबालिग लड़कियों की तस्करी जैसे गंभीर आरोपों में पकड़ा गया, लेकिन मुकदमा पूरा होने से पहले ही वह जेल में मृत पाया गया। अमेरिका के न्याय विभाग ने जब जेफी एपस्टीन से जुड़े लाखों पन्नों के कागजात सार्वजनिक किये, तो दुनिया भर में हलचल मच गयी। इन दस्तावेजों में कई देशों के बड़े नेताओं, धनवान लोगों और प्रभावशाली हस्तियों के नाम संदर्भ के रूप में सामने आये, जिससे राजनीति और कूटनीति दोनों में गरमाहट बढ़ गयी। हालांकि अधिकारियों ने साफ कहा है कि किसी का नाम आना अपराध का प्रमाण नहीं है।

(नीरज कुमार दुबे)

इन खुलासों ने वैश्विक स्तर पर बहस और सनसनी का माहौल बना दिया है। हम आपको बता दें कि जेफ्री एपस्टीन पहले ही यौन अपराधों में दोषी ठहराया जा चुका था। वर्ष 2008 में उसे सजा मिली, पर वह कड़े दंड से बच गया। वर्ष 2019 में उसे फिर नाबालिग लड़कियों की तस्करी जैसे गंभीर आरोपों में पकड़ा गया, लेकिन मुकदमा पूरा होने से पहले ही वह जेल में मृत पाया गया। उसकी मौत को आधिकारिक रूप से आत्महत्या बताया गया, पर उसके संपर्कों का जाल दुनिया भर में फैला होने से संदेह और चर्चा का दौर कभी थमा नहीं।

नये कागजातों में अनेक देशों के प्रभावशाली लोगों के साथ उसके संदेश, मुलाकातें और संपर्क दर्ज हैं। अमेरिका के बड़े राजनेताओं, उद्योगपतियों और तकनीकी जगत के धनाढ्यों तक के नाम सामने आये हैं। पर हर जगह एक ही चेतावनी दोहरायी गयी है कि संदर्भ का अर्थ दोष सिद्धि नहीं है।

भारत के संदर्भ में सबसे अधिक चर्चा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम को लेकर हुई। कागजातों में कुछ संदेश कथित रूप से ऐसे हैं जिनमें उद्योगपति अनिल अंबानी और एपस्टीन के बीच बातचीत में भारत के प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं और मुलाकातों का जिक्र है। इन संदेशों में अमेरिका और इजराइल से जुड़ी कूटनीतिक पहल पर चर्चा दिखती है। हम आपको याद दिला दें कि वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री मोदी की इजराइल यात्रा ऐतिहासिक मानी गयी थी, क्योंकि यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा थी।

इन संदेशों में यह भी दिखता है कि अनिल अंबानी ने कुछ मौकों पर अमेरिकी सत्ता से जुड़े लोगों से संपर्क साधने में मदद की बात कही। एपस्टीन ने भी अपनी शेखी भरी भाषा में लिखा था कि उसकी सलाह कारगर रही। पर यह

सब उसके निजी दावे हैं, जिनका कोई स्वतंत्र प्रमाण नहीं दिया गया। भारत सरकार ने इस पूरे मामले पर तीखी प्रतिक्रिया दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने साफ कहा कि प्रधानमंत्री की आधिकारिक इजराइल यात्रा के अलावा बाकी बातें एक दोषी व्यक्ति की बेबुनियाद बकवास हैं और उन्हें उसी तरह खारिज किया जाना चाहिए। सरकार ने दो टूक कहा कि बिना आधार की अटकलों को सच की तरह फैलाना गैर जिम्मेदाराना है।

इसी बीच विपक्ष, खासकर कांग्रेस, ने सवाल उठाये और पारदर्शिता की मांग की। कांग्रेस का कहना है कि प्रधानमंत्री को स्वयं सामने आकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। हालांकि अभी तक ऐसा कोई तथ्य सामने नहीं आया है जो किसी गैर कानूनी काम की ओर सीधा संकेत करे। हम आपको यह भी बता दें कि इन कागजातों में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का नाम भी आया है। उनके और एपस्टीन के बीच निवेश और भारत में अवसरों को लेकर संदेशों का आदान प्रदान दिखता है। इस पर हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि उनके सभी संपर्क केवल औपचारिक थे।

भारत से बाहर देखें तो नॉर्वे की युवरानी मेटे मारित के एपस्टीन से लंबे समय तक संपर्क के संकेत मिले हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से खेद जताया और कहा कि यह उनका गलत निर्णय था। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री केविन रुड का नाम एपस्टीन की मुलाकात सूची में दर्ज बताया गया, हालांकि उन्होंने किसी भी नजदीकी संबंध से इंकार किया है। ब्रिटेन के वरिष्ठ नेता पीटर मैंडलसन को लेकर भुगतान और संपर्क की बातें सामने आयीं, जिनके बाद उन्हें राजनीतिक आलोचना झेलनी पड़ी और पद छोड़ना पड़ा। स्लोवाकिया के वरिष्ठ सुरक्षा सलाहकार मिरोस्लाव लाजचाक ने तो विवाद बढ़ने पर इस्तीफा तक दे दिया, भले ही उन्होंने आरोपों को नकारा। वहीं कुछ धनकुबेर जैसे एलन मस्क और बिल गेट्स के साथ संदेशों के आदान प्रदान ने यह दिखाया कि एपस्टीन प्रभावशाली लोगों के बीच पहुंच बनाने में माहिर था। पर हर मामले में वही सावधानी दोहरायी गयी कि संपर्क या संदेश अपने आप में अपराध सिद्ध नहीं करते, फिर भी इन खुलासों ने दुनिया भर में सत्ता और धन के रिश्तों पर असहज सवाल खड़े कर दिये।

हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका के न्याय विभाग द्वारा जेफ्री एपस्टीन से जुड़े लगभग पैंतीस लाख नये दस्तावेज जारी किये जाने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम भी फिर से चर्चा में आ गया है। हालांकि शुरुआती सरकारी बयान और उपलब्ध कागजात यह संकेत देते हैं कि ट्रंप के खिलाफ किसी यौन अपराध या आपराधिक कृत्य का सीधा प्रमाण इन फाइलों में नहीं मिला है, फिर भी उनके और एपस्टीन के संबंधों को लेकर सवाल पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं।

न्याय विभाग के उप महान्यायवादी टॉड ब्लांश ने एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि एपस्टीन के वर्षों के पत्राचार की समीक्षा के बाद ऐसा कुछ नहीं मिला जिसमें एपस्टीन ने ट्रंप पर कोई आपराधिक आरोप लगाया हो या पीड़ितों के साथ ट्रंप के अनुचित संबंध का जिक्र किया हो। उन्होंने यहां तक कहा कि जब एपस्टीन ने ट्रंप की बुराई करने की कोशिश भी की, तब भी उसने कोई आपराधिक आरोप नहीं लगाया। यह बयान साफ तौर पर ट्रंप को संभावित राजनीतिक नुकसान से बचाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

लेकिन दस्तावेजों को विस्तार से देखने पर तस्वीर थोड़ी जटिल लगती है। ट्रंप का नाम कुछ अपुष्ट सूचनाओं में आया है जो जांच एजेंसी को भेजी गयी थीं। एक पीड़िता के साक्षात्कार के हस्तलिखित नोट्स में भी उनका नाम दर्ज है। एपस्टीन के एक कर्मचारी ने जांचकर्ताओं से कहा कि उसे याद है कि ट्रंप कभी एपस्टीन के घर आये थे। साथ ही वर्ष 2002 के कुछ संदेशों में मेलानिया नाम की महिला द्वारा दोस्ताना संवाद और पाम बीच यात्रा का जिक्र मिलता है। ये संदर्भ सीधे तौर पर अपराध साबित नहीं करते, पर संबंधों की प्रकृति पर जिज्ञासा जरूर बढ़ाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि ट्रंप प्रशासन ने लंबे समय तक इन फाइलों को सार्वजनिक करने में अनिच्छा दिखाई, जबकि चुनाव अभियान के दौरान ट्रंप पारदर्शिता की बात करते रहे थे। ट्रंप ने अपने ऊपर लगे एक आरोप को लेकर एक बड़े अखबार पर मुकदमा भी किया, जिसमें दावा था कि उन्होंने एपस्टीन के लिए आपत्तिजनक चित्र और टिप्पणी भेजी थी। इन फाइलों में ट्रंप के करीबी लोगों के नाम भी सामने आये हैं। हॉवर्ड लटनिक के परिवार सहित एपस्टीन के द्वीप जाने की योजना का जिक्र है, हालांकि उन्होंने मुलाकात से इंकार किया है। एलन मस्क के संदेशों में एपस्टीन के द्वीप और पार्टियों में रुचि दिखती है, भले ही यात्रा साकार न हुई हो। स्टीव बैनन और एपस्टीन के बीच लंबा संवाद और एक विस्तृत वीडियो साक्षात्कार का भी उल्लेख है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या ट्रंप सभी एपस्टीन फाइलें जारी करवाएंगे? हालांकि अमेरिकी न्याय विभाग संकेत दे चुका है कि हालिया जारीकरण उनके प्रयासों का लगभग अंत है। दूसरी ओर कुछ सांसदों का कहना है कि अभी लाखों पन्ने रोके गये हैं और उन्हें सार्वजनिक होना चाहिए। लेकिन घरेलू राजनीति यहां निर्णायक भूमिका निभा सकती है। पूरी फाइलें जारी करने से कई प्रभावशाली लोगों के नाम और संदर्भ खुल सकते हैं, जिसका राजनीतिक असर व्यापक होगा। ऐसे में संभावना यही दिखती है कि पारदर्शिता और राजनीतिक नुकसान के बीच संतुलन साधने की कोशिश चलेगी। ट्रंप फिलहाल सीधे आरोपों से बचे दिखते हैं, पर अधूरी जानकारी और रोके गये दस्तावेज यह बहस जिंदा रखेंगे कि क्या सच का पूरा हिस्सा अभी सामने आना बाकी है। इन सबके बीच तरह तरह की कहानियां भी चल पड़ी हैं। कुछ लोग हर नाम को अपराध का प्रमाण मान रहे हैं, तो कुछ इसे बड़ी साजिश बताकर प्रचारित कर रहे हैं। स्पष्ट है कि एपस्टीन प्रकरण ने सत्ता, धन और प्रभाव के रिश्तों पर सवाल जरूर खड़े किये हैं, पर हर नाम को दोषी ठहराना न्याय के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। देखा जाये तो एपस्टीन प्रकरण में सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि कागजातों में संदर्भ मात्र को भी अपराध की मुहर की तरह पेश किया जा रहा है। यह प्रवृत्ति न्याय और विवेक दोनों के लिए खतरा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर जो शोर मचाया गया, वह इसी राजनीति का उदाहरण लगता है। एक दोषी व्यक्ति के निजी संदेशों में कही गयी शेखी को ऐसे उछाला गया मानो वही अंतिम सत्य हो। यह पूछने की जरूरत किसी ने नहीं समझी कि क्या कोई आधिकारिक प्रमाण है, क्या कोई जांच है, क्या कोई आरोप पत्र है। केवल नाम जोड़कर बदनाम करने की कोशिश हुई। हम हर सनसनी पर बह जाएं तो कल कोई भी कहानी हमारे विवेक को बंधक बना लेगी। इसलिए जरूरी है कि हम नाम नहीं, प्रमाण देखें; आरोप नहीं, सत्य खोजें। तभी न्याय भी बचेगा और लोकतंत्र भी।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बलरामपुर के रघुनाथनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दुर्लभ प्रसव, महिला ने एक साथ तीन बच्चों को दिया जन्म

रघुनाथनगर स्वास्थ्य केंद्र में सुरक्षित त्रिशिशु जन्म, मां और नवजात स्वस्थ

बलरामपुर/मूक पत्रिका

जिले के रघुनाथ नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को एक दुर्लभ और खुशियों से भरा मामला सामने आया, जहां ग्राम पंचायत चकदेही निवासी एक महिला ने एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया। इस असामान्य प्रसव की जानकारी मिलते ही अस्पताल परिसर सहित पूरे क्षेत्र में यह चर्चा का विषय बन गया। महिला, नवजात शिशुओं और उनके परिजनों में इस घटना को लेकर खुशी का माहौल है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, महिला को प्रसव पीड़ा होने पर परिजनों द्वारा रघुनाथ नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था। अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की सतत निगरानी में महिला का सुरक्षित प्रसव कराया गया, जिसमें सामान्य प्रक्रिया के तहत तीन बच्चों का जन्म हुआ।

चिकित्सा टीम की सतर्कता और समय पर इलाज से यह जटिल प्रसव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर कृपा शंकर भगत ने बताया कि मां और दो नवजात बच्चों की स्थिति पूरी तरह सामान्य है। वहीं, एक बच्चे का वजन अपेक्षाकृत कम होने के कारण बेहतर उपचार और विशेष निगरानी के उद्देश्य से उसे वाड्राफनगर सिविल हॉस्पिटल रेफर किया गया है। डॉक्टरों के अनुसार यह निर्णय पूरी तरह एहतियातन लिया गया है, ताकि बच्चे को आवश्यक चिकित्सकीय सुविधा समय पर मिल सके। अस्पताल प्रशासन ने जानकारी दी कि प्रसव के बाद महिला को विशेष निगरानी में रखा गया है। स्वास्थ्य कर्मियों की टीम लगातार मां और नवजात शिशुओं की स्थिति पर नजर बनाए हुए है तथा सभी आवश्यक जांच और उपचार किए जा रहे हैं, जिससे किसी भी प्रकार की जटिलता से बचा जा सके। महिला के पति ने बताया कि वे ग्राम पंचायत चकदेही के निवासी हैं और पत्नी को इलाज के लिए रघुनाथ नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था। उन्होंने कहा कि उन्हें एक साथ तीन बच्चों के जन्म की कोई कल्पना नहीं थी। यह उनके परिवार के लिए खुशी और आश्चर्य से भरा क्षण है। उन्होंने सुरक्षित प्रसव के लिए अस्पताल के डॉक्टरों और स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया। तीन बच्चों के एक साथ जन्म की खबर फैलते ही अस्पताल में मौजूद अन्य मरीजों, उनके परिजनों एवं स्थानीय लोगों में भी उत्सुकता देखने को मिली। ग्रामीण क्षेत्र में इस प्रकार के मामले कम देखने को मिलते हैं, इसी कारण यह घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। परिजनों का कहना है कि बच्चों के जन्म से घर में खुशियों का माहौल है और वे ईश्वर का धन्यवाद कर रहे हैं। वहीं, स्वास्थ्य विभाग की ओर से यह आश्वासन दिया गया है कि मां और नवजात शिशुओं को हर संभव चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। फिलहाल डॉक्टरों की टीम पूरी सतर्कता के साथ मां और बच्चों की देखभाल में जुटी हुई है और सभी के शीघ्र स्वस्थ होने की उम्मीद जताई जा रही है।

सुभाष चंद्र बोस पब्लिक स्कूल सरिया में धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव, बच्चों ने जीता दर्शकों का दिल..

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सुभाष चंद्र बोस पब्लिक स्कूल सरिया में वार्षिकोत्सव आगाज बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्ष राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त) डॉ. वर्णिका शर्मा रहीं। उनके आगमन पर विद्यालय परिवार द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में कमलेश अग्रवाल (अध्यक्ष नगर पंचायत सरिया), अजय जवाहर नायक (उपाध्यक्ष जिला पंचायत सारंगढ़ङ्कबिलाईगढ़) की गरिमामई उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय परंपरा अनुसार श्री गणेश एवं माता सरस्वती की पूजा से हुई। प्रथम प्रस्तुति स्वागतगान/नृत्य से रंगारंग कार्यक्रम का आगाज किया गया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक नृत्यों ने सभी का

मन मोह लिया, दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उत्साह वर्धन किया। छात्र-छात्राओं की प्रस्तुतियों ने उनकी प्रतिभा और आत्मविश्वास को दर्शाया। वार्षिकोत्सव के दौरान विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं के प्रतिभा सम्मान में उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह से पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे और अभिभावकों में भी उत्साह देखने को मिला। डॉ. शर्मा द्वारा पुरस्कार वितरण के पश्चात संबोधन दिया गया, उन्होंने अपने आशीर्वाद वचनों के माध्यम से छात्र-छात्राओं और अभिभावकों का मार्गदर्शन किया। विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के अध्यक्ष नितेश प्रधान, सचिव दिलीप कुमार बारीक, कोषाध्यक्ष खुशबू प्रधान, प्राचार्य संजय कुमार पधान एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। इसके साथ ही क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक , अभिभावक और विद्यार्थी सैकड़ों की संख्या में शामिल हुए। विद्यालय प्रबंधन द्वारा उपस्थित गणमान्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया। अंत में विद्यालय प्रबंधन द्वारा कार्यक्रम के सफल संचालन तथा नागरिकों की उपस्थिति के लिए नागरिकों, छात्र-छात्राओं और शिक्षक-शिक्षिकाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का विधिवत समापन किया गया।

समाजसेवी सतीश यादव द्वारा वृद्धाश्रम मैं वृद्धो को बाँटे कपड़े फल मिठाई एवं खाद्य सामग्री

सारंगढ़ बिलाईगढ़ :- समाजसेवी सतीश यादव द्वारा वृद्धाश्रम मैं वृद्धो को बाँटे कपड़े फल मिठाई एवं खाद्य सामग्री

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बढ़ता हुआ दिन प्रतिदिन एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। बुढ़ापे में न्यूनतम संवेदनशीलता के कारण, वृद्ध लोगों के लिए सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के अवसर कम हो जाते हैं। इस परिस्थिति में, वृद्धाश्रम का अस्तित्व महत्वपूर्ण है, जो वृद्ध लोगों को आराम, सहयोग और सुरक्षा प्रदान करने का कार्य संभालता

है।बढ़ते वृद्धाश्रम के साथ, टूटते परिवार भी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। वृद्ध पालन की लागत, तेजी से बढ़ती चिकित्सा और दवाएं, आवास की आवश्यकता, और सामाजिक आपातकालीन समस्याएं परिवार को आर्थिक रूप से तनाव में डाल सकती हैं। इसके परिणामस्वरूप, परिवार के सदस्यों का भविष्य अनिश्चित हो सकता है और उन्हें आर्थिक और मानसिक पीड़ा का सामना करना पड़ सकता है। समाजसेवी सतीश यादव ने कहा इस समस्या को हल करने के लिए, सरकारों, सामाजिक संगठनों, और व्यक्तियों को मिलकर काम करना चाहिए।

वृद्धाश्रमों की सुविधाओं को बढ़ाने, वृद्ध समूहों के लिए वित्तीय सहायता और आवास की व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उपयुक्त सुविधाएं और परिवारों को प्रोत्साहित करने के लिए आर्थिक संकल्पना जैसे कदम उठाने चाहिए। इसलिए हमारी संस्था समय-समय पर वृद्ध आश्रमों पर वृद्धो को खुशी देने के लिए कपड़े मिठाई फल एवं अन्य खाद्य सामग्री का वितरण करते हैं।

खरसिया विधानसभा के भाजपा महका मंडल में लगा 'जी राम जी ' जनचौपाल - प्रभारी रजत गुप्ता, लोमस पटेल..

खरसिया/मूक पत्रिका

कांग्रेसियों द्वारा मनरेगा के नाम पर फिर एक बार देश को गुमराह करने की साजिश हो रही है,की यह बिल किसान एवं गरीब विरोधी है जबकि सच्चाई यह है कि ' किसानो की बुवाई और कटाई के समय 60 दिन तक मनरेगा का काम बंद रहेगा जिससे किसानों को मजदूर की कमी ना हो और गरीबों के लिए 100 दिन की जगह 125 दिन का गारंटी रोजगार मिलेगा जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और ग्रामीण बेरोजगारी भी कम होगा जिससे पलायन भी रुकेगा.. मनरेगा में सबसे ज्यादा खर्च मोदी सरकार ने किया है सभी सरकारों को मिलाकर अब तक कुल 11 लाख74 करोड

रुपए मनरेगा में खर्च हुआ है जिसमें अकेले मोदी सरकार ने 8 लाख 53 करोड रुपए खर्च किये है.. मनरेगा में पहले 15 दिन महीने दिन में पेमेंट होता था अब मनरेगा में हफ्ते में पेमेंट करने की योजना बना रही है और इससे भ्रष्टाचार भी रुकेगा क्योंकि आप रियल टाइम डाटा जीपीएस सिस्टम लागू होगा और मजदूरों के खाते में डीबीटी के माध्यम से पैसा का आएगा...विकसित भारत जी राम जी योजना' मनरेगा से आगे का सशक्त कदम है।क्क्ष्ठ त क्रू त विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण मनरेगा की जगह एक नई योजना है, जो ग्रामीण परिवारों को प्रति वर्ष 100 के बजाय 125 दिनों का रोजगार और बेहतर बुनियादी ढांचा प्रदान करती है। यह योजना जल संरक्षण, कृषि और आजीविका को बढ़ाकर, समय पर मजदूरी और पारदर्शी कार्य-योजना के माध्यम से गांव के विकास का संकल्प लेती है। विकसित भारत-जी राम जी योजना के मुख्य पहलू:रोजगार में वृद्धिः अब ग्रामीण परिवारों को वर्ष में 125 दिनों का गारंटीकृत रोजगार मिलेगा, जो मनरेगा के 100 दिनों से अधिक है। उद्देश्यः इस कानून का उद्देश्य जल सुरक्षा, ग्रामीण अवसंरचना (सड़क/कनेक्टिविटी), और आजीविका संवर्धन के माध्यम से गाँवों का समग्र विकास करना है। उसी तारतम्य में बीते दिवस दिनांक 6 फरवरी को भारतीय जनता पार्टी रायगढ़ के जिला अध्यक्ष हमारे मार्गदर्शक अरुण घर दीवान के नेतृत्व,निर्देशानुसार एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष सुमित शर्मा के अगुवाई में खरसिया विधानसभा अंतर्गत युवा मोर्चा महका मण्डल में प्रभारी के रूप में रजत गुप्ता एवं लोमस पटेल मजदूरों -श्रमिकों किसानों के के साथ चौपाल लगाकर विकसित भारत-जी राम जी विधेयक 2025 पर किये चर्चा ।जहाँ मजदूर भाइयों को बताया गया की अब 100 नहीं, 125 दिनों के काम की कानूनी गारंटी, काम न मिलने पर मजबूत बेरोजगारी भत्ता और देरी से मजदूरी पर अतिरिक्त भुगतान का प्रावधान है।

नवाचार की मिसाल बनी आंगनबाड़ी, बच्चों की पढ़ाई के साथ संस्कारों पर भी जोर

बरमकेला/मूक पत्रिका

आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 1 खैरगढ़ी में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गायत्री निषाद अपने नवाचार और समर्पण से बच्चों के भविष्य को नई दिशा दे रही हैं। पढ़ाई को बोझ नहीं, बल्कि खेल-खेल में सीखने का माध्यम बनाकर वे बच्चों में लगातार सीखने की रुचि जगा रही हैं। रंग-बिरंगे चार्ट, गतिविधि आधारित शिक्षण और संवाद के जरिए बच्चे न सिर्फ अक्षर और अंक पहचान रहे हैं, बल्कि आत्मविश्वास के साथ सीख भी रहे हैं।पढ़ाई के साथ-साथ गायत्री निषाद बच्चों को साफ-सफाई और व्यक्तिगत स्वच्छता का महत्व भी समझा रही हैं। रोज़ नाखून काटकर आने, साफ कपड़े पहनने और हाथ धोने जैसी आदतों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बच्चों को सरल भाषा में समझाइश दी जा रही है कि स्वच्छता से ही स्वस्थ शरीर और तेज़ दिमाग बनता है।

इस सकारात्मक माहौल का असर साफ दिख रहा है। बच्चे उत्साह के साथ आंगनबाड़ी केंद्र आ रहे हैं और अभिभावक भी बच्चों में आए बदलाव से बेहद खुश हैं। गांव में गायत्री निषाद के इस प्रयास की जमकर सराहना हो रही है।

आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 1 खैरगढ़ी आज सिर्फ पढ़ाई का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार, स्वच्छता और सुनहरे भविष्य की पाठशाला बनकर उभर रहा है।

समाजसेवी विकास कोसले ने स्कूली बच्चों के साथ मनाया जन्मदिन; बांटी खुशियाँ

सारंगढ़/मूक पत्रिका

जन समस्याओं के निराकरण में सदैव तत्पर रहने वाले 'क्षेत्र समस्या निवारण' (सारंगढ़ ब्लॉक) के अध्यक्ष विकास कोसले ने अपना जन्मदिवस बेहद सादगी और सेवा भाव के साथ मनाया। इस शुभ अवसर पर उन्होंने तामझाम से दूर रहते हुए पास के विद्या मंदिर स्कूल पहुँचकर छात्र-छात्राओं से मुलाकात की। विकास कोसले ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें पेन (कलम) और चॉकलेट वितरित किए। सादगी की मिसालः जन्मदिन पर फिजूलखर्ची के बजाय बच्चों के बीच समय बिताने की पहल को स्थानीय लोगों ने खूब सराहा।

इस दौरान स्कूल के शिक्षक और विकास कोसले के मित्रगण उपस्थित रहे, जिन्होंने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से बरमकेला में बढ़ी सोलर ऊर्जा की ओर रफ्तार

बरमकेला/मूक पत्रिका

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के तहत घर की छत पर सोलर पैनल लगाकर लोग न सिर्फ बिजली बिल से राहत पा रहे हैं, बल्कि स्वच्छ और हरित ऊर्जा को भी बढ़ावा दे रहे हैं।बरमकेला क्षेत्र में इस योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु घनिस सोलर द्वारा आमजन को योजना का लाभ दिलाया जा रहा है। भारतीय स्टेट बैंक, बरमकेला के सामने स्थित घनिस सोलर कार्यालय से नागरिकों को पूरी जानकारी एवं सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस प्रतिष्ठान के संचालक खगेश्वर रात्रे जिलाध्यक्ष सरपंच संघ सारंगढ़ बिलाईगढ़ द्वारा बताया गया कि केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से सोलर प्लांट पर डबल सब्सिडी का लाभ दिया जा रहा है।उन्होंने बताया कि 1 किलोवाट से 5 किलोवाट तक के सोलर सिस्टम पर आकर्षक सब्सिडी उपलब्ध है। खासकर 3 किलोवाट सोलर प्लांट पर 1 लाख 8 हजार रुपये तक की सब्सिडी मिल रही है, जिससे आम उपभोक्ताओं का खर्च काफी कम हो जाता है। सोलर पैनल लगाने से बिजली बिल लगभग शून्य हो जाता है और लंबे समय तक ऊर्जा की बचत होती है।घनिस सोलर द्वारा टाटा पावर सोलर, पॉलीकैब, अदानी, वारी और ल्यूमिनस जैसे विश्वसनीय ब्रांड्स के सोलर पैनल उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सोलर पैनल पर 25 साल की गारंटी, इन्वर्टर पर 10 साल की वारंटी, फ्री एक्सपर्ट इंस्टॉलेशन, बैंक फाइनेंस और डाउन पेमेंट की सुविधा भी दी जा रही है।संचालक खगेश्वर रात्रे जिलाध्यक्ष सरपंच संघ सारंगढ़ बिलाईगढ़ ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ उठाएं और अपने घर को सोलर ऊर्जा से जोड़कर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहभागी बनें।

फाइलेरिया से बचाव का मंत्र मच्छरों से दूरी और साल में एक बार दवा जरूरी

डार्क कपड़ों पर ज्यादा बैठते हैं मच्छर, फाइलेरिया से बचाव के लिए साल में एक बार दवा जरूरी: डॉ. एफ. आर. निराला

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर शनिवार को जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित प्रेस वार्ता में जिला कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) डॉ. एफआर. निराला ने लोगों से सामूहिक दवा सेवन अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया, जिसे आम बोलचाल में हाथीपांव कहा जाता है, मच्छरों के काटने से फैलने वाली गंभीर संक्रामक बीमारी है, लेकिन समय पर दवा लेने और बचाव के उपाय अपनाने से इसे जड़ से खत्म किया जा सकता है।

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौज ने की अपील

जिला कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौज ने कहा कि फाइलेरिया उन्मूलन केवल स्वास्थ्य विभाग का

नहीं, बल्कि पूरे समाज का अभियान है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे स्वास्थ्य कर्मियों का सहयोग करें, दवा का अनिवार्य रूप से सेवन करें और अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाया जा सके।डॉ. निराला ने बताया कि मच्छर गहरे (डार्क) रंगों पर अधिक बैठते हैं, इसलिए खासकर शाम और रात के समय हल्के रंग के कपड़े पहनना चाहिए। साथ ही मच्छरदानी का उपयोग और आसपास साफ-सफाई रखना फाइलेरिया रोकथाम का सबसे प्रभावी तरीका है। उन्होंने जानकारी दी कि जिले में 10, 11 और 12 तारीख को सामूहिक दवा वितरण अभियान (एमडीए) चलाया जाएगा। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर 2 वर्ष से अधिक आयु के सभी स्वस्थ लोगों को DEC और Albendazole (कुछ स्थानों पर Ivermectin सहित) की दवा खिलाएगी। दवा हमेशा भोजन के बाद और स्वास्थ्य कार्यकर्ता के सामने ही लेनी चाहिए। CMHO ने स्पष्ट किया कि गर्भवती महिलाओं, दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों और गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को यह दवा नहीं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि यह दवा पूरी तरह सुरक्षित है, हालांकि जिन लोगों के शरीर में पहले से माइक्रोफाइलेरिया होते हैं, उन्हें हल्का बुखार, चक्कर या सिरदर्द जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं, जो दवा के असर का संकेत हैं। अधिक परेशानी होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

क्या है फाइलेरिया?

यह बीमारी स्यूलेक्स प्रजाति के संक्रमित मच्छर के काटने से फैलती है। इसके कीटाणु कई वर्षों तक शरीर में बिना लक्षण के रह सकते हैं और बाद में हाथ, पैर या अंडकोष में असामान्य सूजन का कारण बनते हैं। यह न तो आनुवंशिक है और न ही छूने या साथ खाने से फैलती है।

समुदाय की भागीदारी जरूरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार जब तक 80 प्रतिशत से अधिक आबादी दवा का सेवन नहीं करती, संक्रमण की श्रृंखला नहीं टूटेगी। भारत सरकार ने फाइलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य तय किया है, जिसके लिए जनसहयोग बेहद जरूरी है। जिले में जागरूकता बढ़ाने के लिए दीवार लेखन, पोस्टर, बैनर और पत्राचार के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

डॉ. निराला ने आम जनता से अपील की कि स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा दी जा रही फाइलेरिया रोधी गोली अवश्य लें और इस जनहितकारी अभियान को सफल बनाएं।

प्रेस वार्ता में स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे

छत्तीसगढ़ सरकार के श्रम विभाग की जनकल्याणकारी योजनाएं

मूक पत्रिका/सारंगढ़ बिलाईगढ़, 8 फ़रवरी 2026/मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन राज्य के श्रमिक वर्ग के लिए मददगार कई योजनाएं संचालित है, जिसका उद्देश्य श्रमिक वर्ग के परिवार को लाभ देकर खुशहाल करना है। इससे आवास, इलाज, छात्रवृत्ति, औजार, कोचिंग, सायकल आदि की निशुल्क सामग्री और सुविधा तथा आर्थिक सहायता दी जाती है।

पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना से रू 1000 से 50000 तक सहायता राशि दी जाती है। मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना अंतर्गत 20000 एकमुश्त सहायता राशि 03 वर्ष पूर्व पंजीकृत निर्माण श्रमिक के प्रथम 02 अविवाहित पुत्रियों जिनकी आयु 18 वर्ष से 21 वर्ष हो एवं कम से कम 10वीं कक्षा उत्तीर्ण हो, उसे दिया जाएगा। इस योजना अंतर्गत जिस वित्तीय वर्ष में लाभ लिया है वह उक्त वित्तीय वर्ष में मण्डल द्वारा संचालित मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ती योजना एवं मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत उसी शैक्षणिक वर्ष के छात्रवृत्ती/शिक्षा प्रोत्साहन राशि के लाभ हेतु अपात्र होंगे।

मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना में 18 वर्ष से 35 वर्ष की आयु समूह की पंजीकृत महिला हितग्राहियों को एवं 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के पंजीकृत पुरूष श्रमिक 1 नग सायकल निःशुल्क अथवा सायकल हेतु निर्धारित राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना में 18 वर्ष से 50 वर्ष के पंजीकृत महिला श्रमिक जो मंडल में 90 दिवस पूर्व पंजीकृत हो। 01 नग सिलाई मशीन निःशुल्क अथवा सिलाई मशीन हेतु निर्धारित राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना में 18 से 50 वर्ष आयु समुह के पंजीकृत निर्माण श्रमिक 01 नग औजार किट निःशुल्क अथवा औजार किट हेतु निर्धारित राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना अंतर्गत मंडल में 90 दिवस पूर्व पंजीकृत निर्माण श्रमिक 01 नग सुरक्षा उपकरण किट निःशुल्क अथवा सुरक्षा उपकरण किट हेतु निर्धारित राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर कौशल विकास एवं परिवार सशक्तिकरण योजना में हितग्राही की आयु 18 से 50 वर्ष हो। निःशुल्क प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षण के दौरान श्रमिक को अकुशल श्रमिक हेतु निर्धारित वेतनमान से मानदेय एवं उनके आश्रित संतानों को 3 वर्ष में एक बार प्रशिक्षण दिया जाएगा। दीदी ई रिक्शा सहायता योजना में 18 से 50 आयु समूह के पंजीकृत निर्माण महिला श्रमिक, जो मंडल में न्युनतम 03 वर्षों से पंजीकृत हो।राशि रू 01 लाख सहायता राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निःशुल्क कोचिंग सहायता योजना अंतर्गत मंडल में पंजीकृत श्रमिक की एक वर्ष की नियमित सदस्यता होना आवश्यक है। पंजीकृत श्रमिक अथवा उनके प्रथम दो संतानों को ही योजना का लाभ देय होगा। मंडल अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके संतानों को शैक्षणिक योग्यता अनुरूप प्रतियोगिता परीक्षाओं जैसे- पीएससी (लोक सेवा आयोग), सीजी व्यापम (छ. ग. व्यावसायिक परीक्षा मंडल), एसएससी (कर्मचारी चयन आयोग), आईबीपीएस (बैंकिंग), रेल्वे, पुलिस भर्ती परीक्षा हेतु चयनित कोचिंग संस्थानों के माध्यम से निःशुल्क कोचिंग प्रदान किया जाना प्रावधानित है।

मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना अंतर्गत पंजीकृत ऐसे श्रमिक जिनका निरंतर 03 वर्ष पूर्व का जीवित पंजीयन हो। छत्तीसगढ़ प्रदेश के किसी भी स्थान पर स्वयं अथवा परिवार के सदस्यों के नाम से आवास ना हो, पति व पत्नी दोनों के मंडल में पंजीकृत हितग्राही होने की स्थिति में योजना के तहत् केवल एक ही हितग्राही को आवास क्रय अथवा आवास निर्माण के लिए एकमुश्त राशि देय होगा। मंडल के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को स्वयं के भूखंड पर आवास निर्माण नवीन आवास क्रय के लिए राशि रूपये एक लाख (100000) मंडल द्वारा एकमुश्त देय होगा। मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना में 18 से 60 आयु वर्ग के पंजीकृत निर्माण श्रमिक की सामान्य मृत्यु पर एक लाख (100000) रू कार्य स्थल पर, दुर्घटना से मृत्यु होने पर पांच लाख (500000) रू एवं कार्य स्थल पर दुर्घटना से दिव्यांगता होने पर 250000 रू मंडल द्वारा एक मुश्त देय होगा।

आपदा से निपटने की तैयारी पर जोर, एनडीआरएफ ने की टेबल टॉप एक्सरसाइज

महादेव तालाब में 10 फरवरी को होगा मॉक ड्रिल

मूक पत्रिका/बीजापुर। जिले में किसी भी आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने की तैयारी को लेकर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने टेबल टॉप एक्सरसाइज आयोजित की। अभ्यास का मकसद अलग-अलग विभागों के बीच समन्वय बढ़ाना और आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करना रहा। इस दौरान एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट पवन जोशी मौजूद रहे। अभ्यास में बाढ़, भूकंप और आग जैसी संभावित आपदाओं की काल्पनिक स्थिति बनाकर अधिकारियों को बताया गया कि ऐसी परिस्थिति में किस तरह काम करना है। आपदा से पहले, दौरान और बाद में किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी गई और मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई करने पर जोर दिया गया। आपदा प्रबंधन के नोडल अधिकारी मुकेश देवांगन ने अधिकारियों को 10 फ़रवरी को महादेव तालाब में होने वाली मॉक ड्रिल के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस अभ्यास से वास्तविक स्थिति में राहत और बचाव कार्यों को और बेहतर ढंग से अंजाम देने में मदद मिलेगी। बैठक में डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट पी.बी. सिदार समेत जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य, राजस्व, नगरीय निकाय और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान संचार व्यवस्था, राहत-बचाव, चिकित्सा सुविधा, अस्थायी राहत शिविर और जरूरी संसाधनों की उपलब्धता जैसे अहम मुद्दों पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने अपने विभागों की तैयारियों की जानकारी देते हुए सुझाव भी साझा किए।

एनडीआरएफ टीम ने बताया कि किसी भी आपदा के समय विभागों के बीच बेहतर तालमेल, त्वरित निर्णय और मजबूत संचार व्यवस्था से जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि 10 फ़रवरी को महादेव तालाब में आयोजित मॉक ड्रिल में आपदा जैसी वास्तविक परिस्थितियों का अभ्यास कर व्यवस्थाओं की परख की जाएगी।

बोरिया में रंग महोत्सव एवं मड़ई का भव्य आयोजन, लोक संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन

मूक पत्रिका/बोरिया - ग्राम बोरिया में आयोजित दो दिवसीय रंग महोत्सव एवं पारंपरिक मड़ई कार्यक्रम का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। इस आयोजन में सहभागिता कर उपस्थित जनसमुदाय ने अत्यंत गौरव एवं आत्मिक आनंद की अनुभूति की। महोत्सव के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपराओं और जनआस्था का सजीव प्रदर्शन देखने को मिला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, लोक कलाकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पारंपरिक नृत्य, आकर्षक वेशभूषा एवं विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। रंग महोत्सव एवं मड़ई ने क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को सुदृढ़ करने के साथ-साथ आपसी भाईचारे, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का सशक्त संदेश दिया। इस गरिमामयी अवसर पर पूर्व विधायक अवधेश सिंह चंदेल, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, समाजसेवी राजेश शर्मा, सभापति गौरव साहू, सभापति विकास तंबोली, राकेश मोहन शर्मा, सरपंच बीरेंद्र टंडन, राजू साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शोभा पद्मश्री एवं राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित घनश्याम ठाकुर तथा पद्मश्री घनश्याम बारले की गरिमामयी उपस्थिति से और भी बढ़ गई। आयोजन में उपस्थित अतिथियों ने ग्रामीणों एवं आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन हमारी परंपराओं को जीवित रखते हैं और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु आयोजन समिति एवं ग्रामवासियों को बधाई दी गई।

उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के लिए जिले के आयुष चिकित्सकों को किया गया पुरस्कृत

मूक पत्रिका/कांकेर :- बीते सोमवार को स्वच्छता संक्रमण नियंत्रण एवं बेहतर प्रबंधन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित आयुष कायाकल्प प्रोग्राम के अंतर्गत आयुष विभाग संचालनालय रायपुर द्वारा कांकेर के चार आयुष केंद्रों को पुरस्कृत किया गया है। चयनित संस्थाओं में स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर भानुप्रतापपुर को प्रथम पुरस्कार 01 लाख 25 हजार रूपए प्रभारी डॉ. गोल्डी लांजेवार, आयुष केंद्र कोटतरा को द्वितीय पुरस्कार 50 हजार रूपए प्रभारी डॉ. धमेन्द्र सिंह ठाकुर, आयुष्मान आरोग्य मंदिर संबलपुर को द्वितीय पुरस्कार 50 हजार रूपए डॉ. कुसुम ठाकुर तथा शासकीय आयुर्वेद औषधालय तरहुल को तृतीय पुरस्कार 25 हजार रूपए से पुरस्कृत किया गया, इस औषधालय के प्रभारी डॉ. प्रवीण सामल हैं। पुरस्कार से प्राप्त राशि का उपयोग अस्पतालों के मूलभूत ढांचे और मरीजों की सुविधाओं को विस्तार देने के लिए किया जाएगा।

इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला आयुर्वेद अधिकारी ने बताया कि गत दिवस राजधानी रायपुर में आयोजित कार्यक्रम उक्त पुरस्कारो से जिले के आयुष स्वास्थ्य केंद्रों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल थे। इस अवसर पर प्रदेश के स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया, संचालक आयुष संतन देवी जांगड़े, संयुक्त संचालक डॉक्टर सुनील दास, उपसंचालक डॉ. ए. सी. किरण तिग्गा उपस्थित रहे। जिले के कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने आज आयुष केंद्रों को राज्य स्तर से पुरस्कार प्राप्त होने पर संबंधित आयुष औषधालय के सभी चिकित्सकों को बधाई देते हुए भविष्य में इसी तरह से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना

श्रमिकों के बच्चों को देश विदेश में मिलेगा 5 हजार से 50 लाख तक की सहायता

सारंगढ़ बिलाईगढ़, 8 फ़रवरी 2026/मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा छत्तीसगढ़ के श्रमिक परिवार के उत्थान के लिए निरंतर किए जा रहे संवेदनशील पहल के अनुक्रम में श्रम विभाग की मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना अंतर्गत 90 दिवस पूर्व पंजीकृत निर्माण श्रमिक के प्रथम 02 बच्चों को राशि रू 5000 से 1,00,000 (एक लाख) तक सहायता राशि तथा विदेश में अध्ययन हेतु राशि रू 50,00,000 (पचास लाख) उस देश के लिए निर्धारित करेंसी की अद्यतन दर पर भुगतान करेगी।

मिनीमाता महतारी जतन योजना से मिलेगा बीस हजार एकमुश्त

सारंगढ़ बिलाईगढ़, 8 फ़रवरी 2026/छत्तीसगढ़ के श्रमिक परिवार के उत्थान के लिए श्रम विभाग की मिनीमाता महतारी जतन योजना संचालित है। इसके अंतर्गत मंडल में 01 वर्ष पूर्व पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिक को राशि रू बीस हजार एकमुश्त दी जाएगी।

मिरतुर में शहीद वीर गुंडाधुर की 116वीं जयंती आज, आमसभा और रैली का होगा आयोजन

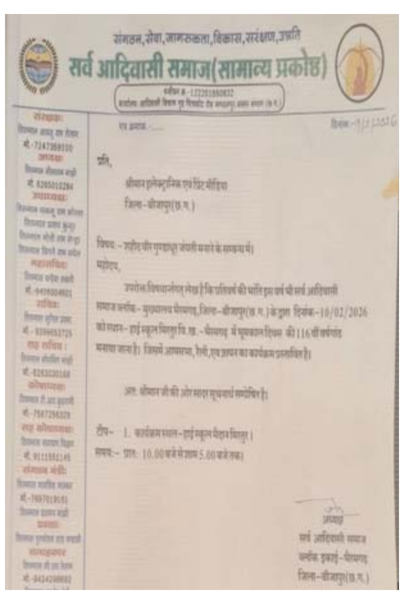

मूक पत्रिका/बीजापुर। सर्व आदिवासी समाज की ब्लॉक इकाई भैरमगढ़ द्वारा 10 फ़रवरी को मिरतुर के हाई स्कूल मैदान में शहीद वीर गुंडाधुर की 116वीं जयंती मनाई जाएगी। ब्लॉक इकाई अध्यक्ष सीताराम मांझी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि आयोजन के दौरान आमसभा, रैली और ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम रखा गया है। क्षेत्र के लोगों से बड़ी संख्या में पहुंचकर महानायक वीर गुंडाधुर को श्रद्धांजलि देने की अपील भी की गई है। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शुरू होकर शाम 5 बजे तक चलेगा। आयोजकों का कहना है कि इस तरह के आयोजन से समाज के इतिहास और वीर गुंडाधुर के संघर्ष को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम में कोंडागांव के कलाकारों ने वाद्य यंत्रों की मनमोहक प्रस्तुति से मोहा सबका मन

वाद्य यंत्रों के प्रदर्शन और आंचलिक साहित्य में कोंडागांव जिला प्रथम

गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हाथों मिला सम्मान

मूक पत्रिका/कोंडागांव, जनजातीय संस्कृतियों और परंपराओं से सजे संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम का भव्य समापन आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति और परंपराओं का मनोहारी प्रदर्शन विभिन्न जिलों से आए कलाकारों द्वारा किया गया। कोंडागांव जिले के केशकाल विकासखंड अंतर्गत ग्राम कलेपाल के रजऊ मंडावी और उनके साथियों वाद्य यंत्रों के प्रदर्शन और आंचलिक साहित्य प्रदर्शन में उत्तम नाईक प्रथम स्थान प्राप्त किया। समापन कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कलाकारों को चेक और स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

शासन द्वारा जनजातीय कला एवं संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन हेतु आयोजित बस्तर पंडुम में रजऊ मंडावी और उनके साथियों ने बस्तर की पारंपरिक वाद्य यंत्रों मांदर, कोटोडका, मोहिर, निशान, ढोल सहित लगभग 19 वाद्य यंत्र से मनमोहक प्रस्तुति दी। छत्तीसगढ़ शासन की यह आयोजन न केवल विलुप्त होती लोककलाओं, नृत्य, गीत और संगीत को संरक्षित करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है, बल्कि युवा पीढ़ी को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का भी सशक्त प्रयास है। इस मंच के माध्यम से युवाओं में अपनी परंपराओं के प्रति गर्व की भावना विकसित हो रही है। इन अमूल्य सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजना और विरासत पीढ़ी दर पीढ़ी आगे में यह महत्वपूर्ण पहल है।

चांदो ब्लॉक के कुरडीह व कंदरी गांव में अवैध ईंट भट्ठों पर प्रशासन की सख्ती, राजस्व वन पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

ग्राम कुरडीह और कंदरी में राजस्व‌‌वन‌‌पुलिस विभाग की छापेमारी, अवैध वनोपज जब्त

मूक पत्रिका/चांदो - अवैध गतिविधियों पर सख्ती दिखाते हुए प्रशासन ने बलरामपुर जिले के चांदो विकासखंड में संचालित अवैध ईंट भट्ठों पर बड़ा प्रहार किया है। राजस्व विभाग, वन विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम कुरडीह एवं ग्राम कंदरी में बिना वैध अनुमति संचालित ईंट भट्ठों पर छापेमारी कर प्रभावी कार्रवाई की। यह संयुक्त कार्रवाई शनिवार दिनांक 08 फ़रवरी 2026 को की गई, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर ईंट भट्ठों की गहन जांच की गई, जहां बड़ी मात्रा में अवैध रूप से संचित वनोपज पाए जाने की पुष्टि हुई। जांच में सामने आया कि संबंधित ईंट भट्ठे बिना आवश्यक अनुमति एवं शासन द्वारा निर्धारित नियमों का उल्लंघन करते हुए संचालित किए जा रहे थे। कार्रवाई के दौरान अवैध सामग्री को जब्त कर लिया गया है। तथा प्रकरण दर्ज कर आगे की विधिक प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई से अवैध ईंट भट्ठा संचालकों में खलबली मच गई है- लंबे समय से क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे भट्ठों पर पहली बार इतनी बड़ी संयुक्त कार्रवाई होने से अन्य अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों में भी दहशत का माहौल है।

अधिकारियों ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि वन संपदा के अवैध दोहन, पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने और नियमों को ताक पर रखकर किए जा रहे किसी भी प्रकार के अवैध कारोबार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शासन के निर्देशानुसार आगे भी ऐसे अवैध ईंट भट्ठों के खिलाफ सख्त एवं निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रशासन की इस पहल को क्षेत्रीय ग्रामीणों ने सराहा है, और उम्मीद जताई है कि इस प्रकार की कार्रवाइयों से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगेगा।

सेजेस सारंगढ़ से 22 जबकि सेजेस सरसीवा से लगभग 40 विद्यार्थी की स्कूल में 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति

सारंगढ़ बिलाईगढ़, 9 फ़रवरी 2026/ हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूल के बोर्ड परीक्षा में नियमित अपात्र एवं 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले विद्यार्थियों की सूची कार्यालय छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा रायपुर ने राज्य के सभी प्राचार्य से मांगी और सभी प्राचार्य ने जानकारी दी, लेकिन यदि कोई किसी के प्रति कोई पूर्व धारणा बना ले तो उसकी सच्चाई भी दिखाई नहीं देती, इस अर्थ को ताजा वाकया ने जीवंत कर दिया है। सेजेस हायर सेकेंडरी स्कूल सारंगढ़ स्कूल कोड 381033 के प्राचार्य एल पी पटेल के विरुद्ध शिकायत की गई है। हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूल के बोर्ड परीक्षा में नियमित अपात्र एवं 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले विद्यार्थियों की सूची संभागीय कार्यालय छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल बिलासपुर से प्राप्त हुई है, जिसमें बड़ी संख्या में सेजेस सरसीवा के लगभग 40 विद्यार्थी, सेजेस हायर सेकेंडरी स्कूल सारंगढ़ के लगभग 22 विद्यार्थी, हरदी हाईस्कूल में 6 विद्यार्थी सहित अन्य 3 स्कूल के 2-2 छात्र शामिल है। इस सूची को दरकिनार कर कुछ अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा सेजेस हायर सेकेंडरी स्कूल सारंगढ़ स्कूल कोड 381033 के प्राचार्य एल पी पटेल को बदनाम कर रहे हैं।

स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही और नौ महीनों के वित्त परिणाम घोषित किए

नईदिल्ली। स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड, जिसका पूर्व नाम स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड था, ने अपने वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही और नौ महीने के परिणाम घोषित किए, जो कंपनी की स्ट्रेटेजिक ग्रोथ, फाइनेंसियल ग्रोथ और लांग टर्म वैल्यू क्रिएशन को दर्शाता है। मैनेजिंग डायरेक्टर नागेश्वर राव कंदुला ने कहा: वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही और नौवीं माही हमारी कंपनी के लिए एक निर्णायक दौर है। हमने सफलतापूर्वक इंटीग्रेटेड इंजीनियरिंग प्लेटफॉर्म में खुद को परिवर्तित कर लिया है, साथ ही अपने मुख्य ग्लास-लाइनिंग बिज़नेस को भी तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। ग्लास-लाइन्ड टेक्नोलॉजीज़ में नेतृत्व, कंडक्टिविटी ग्लास-लाइन्ड रिएक्टरों जैसे ब्रेकथ्रू इनिवेशंस, शेल-एंड-ट्यूब हीट एक्सचेंजर्स में मजबूत पकड़ और विस्तारित टर्नकी इंजीनियरिंग क्षमताओं के साथ, स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड लॉन्गटर्म, सस्टेनेबल मूल्य क्रिएशन के लिए अच्छी स्थिति में है। हमारा ध्यान एक्सक्यूशन एक्सीलेंस, टेक्नोलॉजिकल लीडरशिप और अपने शेयरधारकों के लिए निरंतर मूल्य क्रिएशन पर केंद्रित है। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण तिमाही है। इस तिमाही के दौरान, कंपनी औपचारिक रूप से अपने कॉर्पोरेट नाम को बदलकर स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड कर दिया।

पीएम स्कूल सेजेस में हुआ ' परीक्षा पे चर्चा' द्वितीय चरण का आयोजन

मूक पत्रिका/कांकेर :-पीएम स्कूल भानुप्रतापपुर में शासन के निर्देशानुसार बीते सोमवार को ÷परीक्षा पे चर्चा÷ का 9 वां संस्करण का द्वितीय चरण प्रातः 10:00 बजे से प्रारंभ हुआ। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा देश के सभी विद्यार्थियों को परीक्षा के प्रति संबोधित किया गया । जिसमें हमारे विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों, पालकों तथा शिक्षकों ने कार्यक्रम में सम्मिलित हुए । प्रधानमंत्री के द्वारा सभी विद्यार्थियों को परीक्षा में तनाव नहीं लेने, अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, बिना भय के बहुत ही सामान्य रूप से लेते हुए परीक्षा में शामिल होने के लिए बच्चों को प्रेरित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य पी. आर. भारद्वाज के निर्देशन में स्मार्ट टीवी के द्वारा यूट्यूब के माध्यम से सीधा प्रसारण कार्यक्रम बच्चों को दिखाया गया। शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष नरोत्तम सिंह चौहान, ने ईस अवसर पर 9, 10,11,12, वीं के बच्चों को परीक्षा में जो उनके ऊपर तनाव को दूर करने के लिए अपने विचार रखे और मोदी के द्वारा जो बात आज कही गई उस बातों को सभी बच्चे अपने आप में मन में धारण करें, लगातार 9वी बार प्रधानमंत्री ने बच्चों को परीक्षा की बात को उन बच्चों को जो डिप्रेशन में रहते है उन्हें उत्साहित करने का कार्य करते आ रहे हैं। इस अवसर पर बी.ई.ओ. सुश्री क्षमा सोनेल, बी. आर. सी. राधे लाल नुरेटी, ए.बी.ओ. मुकेश सोनवानी, संकुल समन्वयक, सुनील यदु एवं भवन सिंह रावटे तथा समस्त अभिभावकों एवं शिक्षकों की उपस्थिति रही।

पीएम श्रम-योगी मानधन एवं एनपीएस योजना से होगा श्रमिकों को लाभ, 15 फ़रवरी तक शहरी क्षेत्र में और 16 फ़रवरी से 15 मार्च तक ग्रामीण क्षेत्र में होंगे शिविर

सारंगढ़-बिलाईगढ़, 8 फ़रवरी 2026/ भारत सरकार, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा ''प्रधानमंत्री श्रम-योगी मानधन योजना'' असंगठित श्रमिकों के लिए लागू की गई है। योजना के तहत हितग्राहियों के पंजीयन हेतु दो चरणों में विशेष पंजीयन शिविर प्रथम चरण दिनांक 15 जनवरी से 15 फ़रवरी 2026 तक शहरी क्षेत्रों एवं द्वितीय चरण 16 फ़रवरी से 15 मार्च, 2026 तक ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें पात्र हितग्राही आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, बचत बैंक खाता/जन धन खाता (आईएफ़एससी कोड के साथ) सहित नजदीकी च्वाईस सेंटर में उपस्थित होकर प्रधानमंत्री श्रम-योगी मानधन योजना हेतु पंजीयन करा सकते है। इस योजना में फेरी लगाने वाले (स्ट्रीट वेंडर), कचरा बिनने वाले, हमाल, रिक्शा चालक, आंगनबाडी कार्यकता, सहायिका, मितानिन, वनोपज में लगे श्रमिक, भूमिहीन श्रमिक, कृषि श्रमिक, मध्यान्ह भोजन रसोईया, चमड़ा उद्योग, हाथकरघा उद्योग, मनरेगा, बीड़ी उद्योग में कार्यरत श्रमिकों को शामिल किया गया है। साथ ही अन्य समस्त असंगठित प्रवर्ग के श्रमिक शामिल हो सकते है, जिसकी आयु 18 से 40 वर्ष के मध्य है। ऐसे नागरिक, जिनकी मासिक आय 15 हजार से कम हो एवं ईपीएफ़ओ, ईएसआईसी या एनपीएस (सरकारी) का सदस्य, आयकर दाता नहीं हो। इस योजनांतर्गत लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

एनपीएस ट्रेडर्स योजना में 18 से 40 वर्ष आयु के अनुरूप हितग्राहियों को 55 रू से 200/- रू. प्रतिमाह अंशदान जमा करना होगा। हितग्राही के जमा अंशदान के बराबर रूपये भारत सरकार, श्रम मंत्रालय द्वारा योजना से जमा कर लाभ दिया जायेगा। हितग्राही के 60 वर्ष आयु होने पर 3000/- मासिक न्यूनतम पेंशन मिलेगा। हितग्राही के मृत्यु हो जाने की स्थिति में हितग्राही के उतराधिकारी को 50 प्रतिशत पेंशन मिलेगा। यदि 60 वर्ष आयु के पूर्व हितग्राही योजना से बाहर होना चाहते हों, तो हितग्राही के खाते में जमा राशि मय ब्याज एकमुश्त वापस कर दी जाएगी। इस संबंध में श्रम पदाधिकारी घनश्याम पाणिग्राही 8821025550 और श्रम कल्याण अधिकारी पितांबर साहू 6260377723 से अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अफगानिस्तान को 5 विकेट से हराया, साइफर्ट का अर्धशतक, फर्ग्यूसन को 2 विकेट

टी-20 वर्ल्डकप- न्यूजीलैंड ने अपना सबसे बड़ा टारगेट चेज किया

चेन्नई । न्यूजीलैंड ने जीत के साथ टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। टीम ने ग्रुप डी के पहले मुकाबले में अफगानिस्तान को 5 विकेट से हराया। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 182 रन बनाए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड ने 183 रन का टारगेट 17.5 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

टीम के लिए ओपनर टिम साइफर्ट (65) ने अर्धशतक लगाया। उनके अलावा ग्लेन फिलिप्स ने 42, मार्क चापमन ने 28 और डेरिल मिचेल ने नाबाद 25 रन बनाए। अफगानिस्तान के लिए मुजिब उर रहमान ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। राशिद खान, मोहम्मद नबी और अजमतुल्लाह उमरजई को 1-1 विकेट मिला।

न्यूजीलैंड 5 विकेट से जीता

न्यूजीलैंड ने अपने पहले मैच में अफगानिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया। टीम के लिए टिम साइफर्ट ने 65 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

चापमन 28 रन बनाकर आउट

16वें ओवर में अजमतुल्लाह उमरजई ने शानदार गेंदबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की रफ्तार पर ब्रेक लगाया। इस ओवर से सिर्फ 4 रन आए और एक अहम विकेट भी गिरा। 15.4 ओवर में मार्क चापमन ने अंदर-आउट शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन टाइमिंग बिगड़ गई और गेंद सीधा कवर पर खड़े अफगान कप्तान राशिद खान के हाथों में चली गई। चापमन 17 गेंदों में 28 रन बनाकर आउट हुए।

यह टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में न्यूजीलैंड का सबसे बड़ा टारगेट चेज रहा। इससे पहले कीवी टीम ने 2021 में अबू धाबी में इंग्लैंड के खिलाफ 167 रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया था।

इससे पहले, अफगानिस्तान के लिए गुलबदीन नाईब (63) ने अर्धशतक लगाया। सेदिकुल्लाह अटल ने 29, रहमानुल्लाह गुरबाज ने 27 और दारविश रसूली ने 20 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए लॉकी फर्ग्यूसन ने 2 विकेट झटके। मैट हेनरी, रचिन रवींद्र और जैकब डफी को 1-1 विकेट मिला।

साइफर्ट अर्धशतक लगाकर आउट

12.5 ओवर में मोहम्मद नबी ने टिम साइफर्ट का बड़ा विकेट लेकर अफगानिस्तान को राहत दिलाई। नबी की गेंद पर साइफर्ट ने लॉन्ग ऑफ की ओर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन अजमतुल्लाह उमरजई ने बाउंड्री पर शानदार कैच लपक लिया। इससे पहले इसी ओवर में साइफर्ट ने दो लगातार छक्के जड़कर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 42 गेंदों में 65 रन की अहम पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 3 छक्के शामिल रहे।

अमेरिका की सबसे सफल स्कीयर जेसी डिगिंस की इंस्पायरिंग स्टोरी

वॉशिंगटन। बीजिंग विंटर ओलिंपिक का आखिरी दिन... प्रकृति और शरीर, दोनों मेरे खिलाफ थे। माइनस 21 डिग्री पारा और बर्फीले तूफान के बीच 30 किमी की रेस थी। रेस से 30 घंटे पहले फूड पॉइजनिंग से निढाल थी, न खाना पच रहा था, न ही जॉगिंग कर पा रही थीं। फिर भी मैं मैदान में उतरी...।' अमेरिका की सबसे सफल क्रॉस-कंट्री स्कीयर जेसी डिगिंस कहती हैं- रेस के दौरान गिरने और शरीर में ऐंठन के बावजूद वे डटी रहीं। अंततः रेस पूरी कर सिल्वर मेडल जीता और इतिहास रच दिया। तीन वर्ल्ड कप, तीन ओलिंपिक मेडल और सात वर्ल्ड चैम्पियनशिप जीत चुकी डिगिंस 2026 में इटली में हो रहे विंटर ओलिंपिक में पूरे दमखम के साथ उतर रही हैं, जानिए उनके शीर्ष तक पहुंचने का सफर...

'बात 2022 विंटर ओलिंपिक की है। रेस से पहले हुई फूड पॉइजनिंग से शरीर में पानी और ऊर्जा की भारी कमी हो गई। सुबह 10 मिनट की हल्की दौड़ भी पूरी नहीं कर पाई। बिस्तर पर गिरकर फूट-फूट कर रोने लगी। मम्मी-पापा को फोन किया और बस इतना कह सकी, 'सब कुछ वैसा नहीं हो रहा, जैसा होना चाहिए था।' शाम को शरीर थोड़ा संभला। स्पिन बाइक पर हल्की एक्सरसाइज की।

अगली सुबह बस में बैठी तो मां का ई-मेल देखा, जिसने मेरी बेचैनी शांत कर दी। उन्होंने लिखा, 'तुम्हें यह रेस किसी के लिए नहीं करनी है। तुम पर किसी का उधार नहीं है। आज तुम स्कीइंग करती हो तो सिर्फ इसलिए करना क्योंकि तुम्हें इस खेल से प्यार है।' बस, उसी पल दिमाग से दबाव और मन से बोझ हट गया। बर्फीली हवाएं बदन को चाकू की तरह चीर रही थीं। पर असली चुनौती बाहर का मौसम नहीं, बल्कि अंदर चल रहा तूफान था।

मन खुश तो गहरा दर्द भी सह सकते हैं

जेसी कहती हैं- शरीर का दर्द तो पलभर का है जो फिनिश लाइन पर थम जाएगा, पर मानसिक हार का मलाल उम्रभर रहता है। मैं कमजोरी को नहीं, खुशी को ताकत बनाती हूं; क्योंकि मन खुश हो, तभी इंसान सबसे गहरा दर्द सह सकता है।

शरीर को निचोड़ लेती है रेस

मिशिगन यूनिवर्सिटी की फिजियोलॉजिस्ट लॉरा रिचर्डसन कहती हैं, 'क्रॉस-कंट्री स्कीइंग शरीर की सहनशक्ति की सबसे बड़ी परीक्षा है। कड़ाके की ठंड में हाथ-पैर और दिल एक साथ चरम पर काम करते हैं। यह खेल शरीर को इस कदर निचोड़ देता है कि खिलाड़ी अक्सर दृष्टि खोने और बेहोशी की कगार पर पहुंच जाते हैं। रेस शरीर को उस सीमा तक ले जाती है कि मांसपेशियों के ऊतक तक फट जाते हैं और शुगर की भारी कमी हो जाती है। इस स्थिति से उबरने में हफ्तों लग सकते हैं।'

ब्रीफ न्यूज

रणजी ट्रॉफी : होलकर में नबी का कहर, हार की कगार पर मध्य प्रदेश

इंदौर । रणजी टॉफी क्वार्टर फाइनल का तीसरा दिन पूरी तरह से जम्मू-कश्मीर के नाम रहा। इंदौर के होल्कर स्टेडियम की लाल मिट्टी पर मेहमान टीम ने ऐसा जाल बुना कि मध्य प्रदेश अपनी ही सरजमीं पर टूर्नामेंट से बाहर होने के मुहाने पर खड़ा है। 291 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए रविवार को खेल खत्म होने तक मध्य प्रदेश ने अपनी दूसरी पारी में मात्र 87 रनों पर 5 महत्वपूर्ण विकेट गंवा दिए हैं। अब सोमवार को सारी उम्मीदें स्टार ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर और शुभम शर्मा पर टिकी हैं, जिन पर हार टालने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। वंशज के अर्द्धशतकीय प्रतिरोध से मची खलबली तीसरे दिन सुबह जब जम्मू-कश्मीर ने अपनी दूसरी पारी 84/5 से आगे बढ़ानी शुरू की, तब पासा मध्य प्रदेश के पक्ष में झुकता दिख रहा था। कुलदीप सेन और वेंकटेश अय्यर की धारदार गेंदबाजी के सामने एक समय जम्मू-कश्मीर ने 149 रनों पर अपने 8 विकेट खो दिए थे। यहाँ मेजबान टीम के पास सुनहरा मौका था कि वे विपक्षी टीम को सस्ते में समेट लें, लेकिन गेंदबाजों की ढिलाई और पुछल्लों का जुझारू रुख एमपी पर भारी पड़ा। जम्मू-कश्मीर के निचले क्रम के बल्लेबाज वंशज शर्मा ने नाबाद 54 रनों की साहसी पारी खेली और सुनील कुमार के साथ अंतिम विकेट के लिए 65 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी कर डाली। इस प्रतिरोध ने जम्मू-कश्मीर को 248 के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुँचाया और एमपी के सामने चौथी पारी में पहाड़ जैसा लक्ष्य खड़ा कर दिया।

नबी-मुश्ताक के प्रहार से मध्य प्रदेश की रीढ़ टूटी

पहली पारी में 7 विकेट लेकर कोहराम मचाने वाले आकिब नबी ने दूसरी पारी में भी मेजबान बल्लेबाजों को अपनी उंगलियों पर नचाया। उन्होंने सलामी बल्लेबाज यश दुबे को 20 रन के निजी स्कोर पर युधवीर के हाथों कैच कराकर पतन की शुरुआत की। मैच का सबसे रोमांचक मोड़ तब आया जब नबी ने एक ही ओवर में मध्य प्रदेश के कप्तान रजत पाटीदार (8) को यावर हसन के हाथों कैच कराया और अगली ही गेंद पर नाइट वॉचमैन कुमार कार्तिकेय (0) को क्लीन बोल्ड कर सनसनी फैला दी। नबी मैच में अब तक कुल 10 विकेट चटका चुके हैं और उनकी स्विंग होती गेंदों का जवाब स्थानीय बल्लेबाजों के पास नहीं दिख रहा है।

तेज गेंदबाजों के साथ-साथ स्पिनर आबिद मुश्ताक ने भी दो विकेट लेकर मध्य प्रदेश की मुश्किलों को दोगुना कर दिया। मुश्ताक ने पहले सैट बल्लेबाज हिमांशु मंत्री (31) को अब्दुल समद के हाथों कैच कराया और फिर हर्ष गवली को मात्र 2 रन पर अपनी ही गेंद पर लपक कर पवेलियन का रास्ता दिखाया। पिच अब तेजी से दरक रही है और गेंद असमान उछाल ले रही जम्मू-कश्मीर : पहली पारी 194 एवं दूसरी पारी 248 रन (वंशज शर्मा 54*, आबिद 41; कुलदीप सेन 4/65, वेंकटेश 3/23)

मध्य प्रदेश : पहली पारी 152 एवं दूसरी पारी 87/5 (हिमांशु मंत्री 31, यश दुबे 20; आकिब नबी 3/23, आबिद मुश्ताक 2/19)

स्थिति : मध्य प्रदेश को जीत के लिए 204 रनों की आवश्यकता है जबकि हाथ में 5 विकेट शेष हैं।

टी-20 वर्ल्डकप- श्रीलंका ने आयरलैंड को 20 रन से हराया

कुसल मेंडिस की फिफ्टी, तीक्षणा-हसरंगा को 3-3 विकेट

श्रीलंका ने टी-20 वर्ल्ड कप में पहला मैच जीत लिया है। टीम ने रविवार के तीसरे मैच में आयरलैंड को 20 रन से हराया। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में आयरलैंड ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी।

श्रीलंका ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 163 रन बनाए। कुसल मेंडिस ने 43 बॉल पर 56 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। कमिंडु मेंडिस ने 19 बॉल पर 44 रन बनाए। बैरी मैकॉर्थी और जॉर्ज डॉकरेल को 2-2 विकेट मिले।

164 रन का टारगेट चेज कर रही आयरिश टीम 19.5 ओवर में 143 रन पर ऑलआउट हो गई। महीश तीक्षणा और वनिंदू हसरंगा ने 3-3 विकेट झटके। मथीशा पथिराना को 2 विकेट मिले। आयरलैंड की ओर से हैरी टेक्कर ने 40 रन बनाए। रॉस अडॉयर ने 34 रन जोड़े। शेष बैटर्स खास प्रदर्शन नहीं कर सके। मैच का स्कोरबोर्डमैच से जुड़ी अपडेट्स देखने के लिए नीचे

आयरलैंड का 8वां विकेट गिरा, मार्क अडॉयर आउट

19वें ओवर में आयरलैंड ने 8वां विकेट गंवाया। मार्क अडॉयर को दुष्मंथा चमीरा ने दसुन शनाका के हाथों कैच कराया। चमीरा को पहला विकेट मिला है। हसरंगा को तीसरा विकेट, कैम्फर आउट 18वें ओवर में आयरलैंड ने 7वां विकेट गंवाया। यहां पर कर्टिस कैम्फर (13 रन) को वनिंदू हसरंगा ने दसुन शनाका के हाथों कैच कराया। उन्होंने हैरी टेक्टर (40 रन) और रॉस अडायर (34 रन) को भी आउट किया।

कामिंदु मेंडिस प्लेयर ऑफ द मैच

श्रीलंका ने अपना पहला मैच जीता

आयरलैंड 143 रन पर ऑलआउट, श्रीलंका 20 रन से जीता 164 रन का टारगेट चेज कर रही आयरलैंड की टीम 20वें ओवर की 5वीं बॉल पर ऑलआउट हो गई। इसी के साथ श्रीलंका ने अपना पहला मैच 20 रन से जीत लिया है। पथिराना को पहला विकेट, डॉकरेल आउट 20वें ओवर की तीसरी बॉल पर मथिशा पथिराना ने जॉज डॉकरेट (9 रन) को आउट किया। उन्हें पहला विकेट मिला है।

इटली में विंटर ओलिंपिक शुरू, 92 देश ले रहे हिस्सा

मिलान। विंटर ओलिंपिक 2026 का आगाज हो चुका है और इस समय सबसे ज्यादा चर्चा मैक्सिको की मां-बेटे की जोड़ी, सारा श्लेपर (47) और लासे फेडेरिको गैक्सियोला (18) की हो रही है। विंटर ओलिंपिक के 102 साल के इतिहास में पहली बार मां और बेटा दुनिया के सबसे बड़े खेल मंच पर एक साथ मुकाबला करते नजर आएंगे। यह जोड़ी इस साल के पांच सदस्यीय मैक्सिकन दल का हिस्सा है, जो गेम्स में देश का अब तक का सबसे बड़ा एथलीट दल है।

वहीं, 18 साल के लासे का यह ओलिंपिक डेब्यू है। लासे का नाम दिग्गज नार्वेजियन चैम्पियन लासे क्युस के नाम पर रखा गया है। लासे कहते हैं कि गर्व है कि हम एक साथ इस मंच पर हैं। बता दें कि 2011 में जब सारा ने पहली बार संन्यास लिया था, तब उन्होंने अपनी अंतिम रेस में 4 साल के लासे को गोद में उठाकर स्कीइंग की थी। अब वही 'छोटा बच्चा' अपनी मां के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मुकाबला कर रहा है। अमेरिका में जन्मी सारा ने 1998 से 2010 के बीच अमेरिका के लिए ओ?लिंपिक में भाग लिया था। 2014 में मैक्सिकन कोच फेडेरिको गैक्सियोला से शादी के बाद उन्होंने मैक्सिको की नागरिकता प्राप्त की। तब से वह मैक्सिकन विंटर स्पोर्ट्स का चेहरा बन गई हैं और दो विंटर ओलिंपिक मैक्सिको से खेले।

सारा श्लेपर का यह सातवां ओलिंपिक है

जो किसी भी महिला अल्पाइन स्कीयर के लिए एक रिकॉर्ड है। 1998 में नागानो ओलिंपिक से अपने सफर की शुरुआत करने वाली सारा ने 4 बार अमेरिका और 3 बार मैक्सिको का प्रतिनिधित्व किया है। 47 साल की सारा ओलिंपिक विंटर खेलों में भाग लेने वाली इतिहास की सबसे उम्रदराज महिला अल्पाइन स्कीयर हैं।

भारतीय मुक्केबाजों ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल में 9 स्वर्ण पदक जीते

ला नुसिया। भारतीय मुक्केबाजों ने जबरदस्त शानदार प्रदर्शन करते हुए बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 में 9 स्वर्ण पदक जीते हैं। इसमें भारत की ओलंपिक विजेता लवलीना बोरगोहेन और पूर्व यूथ वर्ल्ड चैंपियन अरुंधति चौधरी ने नौ 9 स्वर्ण हासिल किया। इससे पहले शनिवार को भारत ने सात एलीट विमेंस फाइनल में भाग लिया था। बॉक्सम एलीट में 20 देशों के 200 से ज्यादा मुक्केबाज शामिल थे। इसमें भारतीय मुक्केबाजों ने भारत नौ स्वर्ण, तीन रजत और सात कांस्य पदक जीते। मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, बॉक्सम एलीट में हमारा प्रदर्शन शानदार रहा। इसमें कई अलग-अलग वजन वर्ग के मुकाबले थे। भारत की महिलाओं ने अंतिम दिन बेंचमार्क सेट किया। मंजू रानी (48किग्रा) और नीतू (51) ने स्पेन की माटर लोपेज और नोएलिया गुटिरेज पर एकमत को हराया। वहीं इससे पहले पूनम (54) ने कड़े मुकाबले में हमवतन प्रीति को हराया। प्रिया (60) और अरुंधति (70) ने यूक्रेनी मुक्केबाजों पर 5:0 से शानदार जीत हासिल की, जबकि लवलीना (75) ने इंग्लैंड की मैरी-केट स्मिथ को 4:1 से हराया। नैना (80) ने यूक्रेन की रईसा पिस्कुन पर आसान जीत के साथ स्वीप पूरा किया। पुरुषों के फाइनल में सचिन (60) ने दिन के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक में कनाडा के केओमा-अली अल अहमदीह को 3:2 से हराया, जबकि आकाश (75) ने कजाकिस्तान के अमन कोंसबेकोव पर 3:2 से रोमांचक जीत के बाद एक और स्वर्ण जीता। दीपक (70) और अंकुश (80) को हालांकि हार के कारण रजत ही मिला।

ICC की चेतावनी के बाद 'औकात' में आया पाकिस्तान

15 फरवरी को कोलंबो में भारत से खेलेगा मैच!

मुंबई। भारत-पाकिस्तान मैच को अंतिम रूप देने के लिए अंतिम दौर की बैठक चल रही है। पीसीबी सूत्रों के मुताबिक बैठक जारी है और इस बात की 99 प्रतिशत संभावना है कि भारत-पाकिस्तान मैच 15 फरवरी को खेला जाएगा।

आईसीसी की चेतावनी के बाद पाकिस्तान के सुर बदलते नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपनी सरकार की सलाह पर बांग्लादेश क्रिकेट के समर्थन में टी20 विश्व कप 2026 में भारत के साथ 15 फरवरी को मैच न खेलने का फैसला लिया था। हालांकि, लगातार बदलते घटनाक्रमों के बीच अब पाकिस्तान भारत के खिलाफ न खेलने के अपने फैसले से पलट सकता है। 15 फरवरी को होने वाले भारत-पाकिस्तान मुकाबले की संभावना एक बार फिर काफी बढ़ गई है।

बढ़ गई मैच की संभावना

भारत-पाकिस्तान मैच को अंतिम रूप देने के लिए अंतिम दौर की बैठक चल रही है। पीसीबी सूत्रों के मुताबिक बैठक जारी है और इस बात की 99 प्रतिशत संभावना है कि भारत-पाकिस्तान मैच 15 फरवरी को खेला जाएगा। इससे पहले पीसीबी ने कहा था कि वह 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के साथ होने वाला मैच नहीं खेलेगा। पाकिस्तान सरकार ने अपनी टीम को बांग्लादेश के साथ मजबूती से खड़े रहने की शर्त पर ही विश्व कप में शामिल होने की अनुमति दी थी।

जकार्ता में एएससी फुटसल एशियन कप में विजयी ईरान की टीम के खिलाड़ी अवार्ड समारोह में उत्साहित नजर आये।

विश्वकप में उलटफेर से चूका नेपाल

करन के निर्णायक ओवर से इंग्लैंड ने चार रन से जीता मैच

वानखेड़े। टी20 विश्व कप 2026 का पांचवां मुकाबला वानखेड़े में खेला गया। इस दौरान टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने जैकब बेथेल और हैरी ब्रूक की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 184 रन बनाए। जवाब में नेपाल की टीम निर्धारित ओवरों में छह विकेट पर 180 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई। शेर मल्ला ने नेपाल को बड़ी सफलता दिलाई जब उन्होंने फिल सॉल्ट (1) को अपने दूसरे ओवर की पहली ही गेंद पर कैच आउट करा दिया। इसके बाद नंदन यादव ने जोस बटलर (26) का महत्वपूर्ण विकेट लिया, जो बेथेल के साथ पारी को संभालने की कोशिश कर रहे थे। यादव ने ऑफ स्टंप के बाहर गेंद डालकर बटलर को विकेटकीपर के हाथों कैच कराया। नेपाल को तीसरी सफलता सातवें ओवर में मिली, जब स्पिनर संदीप लामिछाने ने टॉम बैंटन को रिवर्स स्वीप खेलने के प्रयास में एलबीडब्ल्यू आउट किया। अंतिम ओवरों में लोकेश बाम ने नेपाल को जीत की दहलीज तक पहुंचा दिया। उन्होंने 20 गेंदों पर नाबाद 39 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 2 छक्के शामिल थे। 18वें ओवर में उन्होंने जॉफ्रा आर्चर पर दो छक्के लगाए और 19वें ओवर में ल्यूक वुड पर लगातार दो चौके जमाए।

सैम करन की कसी हुई गेंदबाजी के दम पर

इंग्लैंड ने नेपाल को चार रन से हरा दिया। रविवार को टी20 विश्व कप 2026 का पांचवां मुकाबला वानखेड़े में खेला गया। इस दौरान टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने जैकब बेथेल और हैरी ब्रूक की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 184 रन बनाए। जवाब में नेपाल की टीम निर्धारित ओवरों में छह विकेट पर 180 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई।

जैकब बेथेल (55) और कप्तान हैरी ब्रूक (53) की आक्रामक अर्धशतकीय पारियों की

बदौलत इंग्लैंड ने 7 विकेट पर 184 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। युवा बाएं हाथ के बल्लेबाज जैकब बेथेल ने अपने टी20 विश्व कप डेब्यू पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 35 गेंदों में अर्धशतक जमाया। उनकी पारी में चार छक्के और चार चौके शामिल थे। वहीं कप्तान हैरी ब्रूक ने भी 32 गेंदों में 53 रन बनाए, जिसमें चार छक्के और तीन चौके शामिल रहे। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 71 रनों की अहम साझेदारी कर इंग्लैंड की पारी को संभाला, जबकि नेपाली गेंदबाजों ने कड़ी चुनौती पेश की।

भाजपा सरकार की लापरवाही से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की मौत : लखेश्वर बघेल

बेलगाम टिपर, बदहाल सड़कें और प्रशासनिक दबाव को बताया हादसे का कारण

जगदलपुर/मूक पत्रिका

बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने बस्तर पंडुम कार्यक्रम में शामिल होने जा रहीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की सड़क दुर्घटना में हुई मौत को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह कोई सामान्य दुर्घटना नहीं, बल्कि सरकार की असफल नीतियों, लापरवाह प्रशासन और कमजोर कानून-व्यवस्था का प्रत्यक्ष परिणाम है।विधायक बघेल ने बताया कि ग्राम पंचायत नदीसागर अंतर्गत पदरगुड़ा पारा निवासी तथा जरईगुड़ा पारा में पदस्थ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती वंदनावती बघेल (45 वर्ष) की पोटानार के समीप एक अज्ञात तेज रफ्तार टिपर की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में उनके साथ जा रहीं श्रीमती रामदई बघेल (40 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिनका इलाज जगदलपुर स्थित महारानी अस्पताल में जारी है।उन्होंने कहा कि

बस्तर पंडुम जैसे बड़े सांस्कृतिक आयोजन के दौरान कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे कर्मचारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है, लेकिन भारी वाहनों की बेलगाम आवाजाही और सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों का अभाव साफ तौर पर प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है।

प्रशासनिक दबाव भी बना हादसे की वजह–विधायक बघेल ने एक गंभीर तथ्य उजागर करते हुए कहा कि बस्तर पंडुम कार्यक्रम को ÷सफल÷ दिखाने के लिए प्रशासन द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं पर जबरन दबाव बनाया गया था। उन्हें भीड़ जुटाने और कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए, और अनुपस्थिति की स्थिति में वेतन रोकने की धमकी भी दी गई। उन्होंने कहा कि यही प्रशासनिक दबाव इस हादसे की बड़ी वजह है, जिसकी नैतिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी सीधे भाजपा सरकार पर बनती है।उन्होंने आगे कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पहले से ही कम मानदेय, असुरक्षित कार्य परिस्थितियों और उपेक्षा का सामना कर रही हैं। इस हादसे में एक मां की जान चली गई, जिसके तीन छोटे बच्चे–एक पुत्र और दो पुत्रियां–हैं। उनके सिर से हमेशा के लिए मां का साया उठ गया है, जिसकी जिम्मेदारी सरकार को लेनी होगी।

सड़कों को बताया 'मौत का रास्ता'–विधायक बघेल ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार विकास के झूठे दावे करती है, जबकि हकीकत यह है कि बस्तर की सड़कें मौत का रास्ता बन चुकी हैं। भारी वाहनों पर न तो प्रभावी नियंत्रण है और न ही दुर्घटनाओं के बाद त्वरित कार्रवाई। उन्होंने कहा कि अब तक ऐसे मामलों में दोषियों को बचाने का ही काम किया गया है।

विधायक लखेश्वर बघेल की प्रमुख मांगें—अज्ञात टिपर वाहन और चालक की तत्काल पहचान कर कठोर कार्रवाई की जाए। मृतिका के परिजनों को उचित मुआवजा, एक सदस्य को सरकारी नौकरी तथा स्थायी आर्थिक सहायता दी जाए।गंभीर रूप से घायल श्रीमती रामदई बघेल के इलाज का पूरा खर्च सरकार वहन करे।बस्तर क्षेत्र में भारी वाहनों की आवाजाही पर सख्त नियंत्रण और प्रभावी निगरानी व्यवस्था लागू की जाए।अंत में विधायक लखेश्वर बघेल ने कहा कि यदि भाजपा सरकार ने इस घटना से सबक नहीं लिया, तो कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी। उन्होंने दिवंगत आत्मा को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए घायल महिला के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना और शोकसंतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

हत्या करने की नियत से धारदार वस्तु से प्राण घातक हमला कर चोट पहुंचने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि बीते 8 फरवरी 2026 को इसके बडे पापा नोहर पाल ऊर्फ बल्लू पाल को जलेश ठाकुर द्वारा पुरानी रंजिश के चलते पीछे से आकर अपने हाथ में रखे धारदार वस्तु से हत्या करने की नियत से नोहर पाल की गले में प्राण घातक हमला कर घायल कर दिया। घटना के बाद तत्काल घायल नोहर पाल को ईलाज के लिए सीएचसी थान खम्हरिया ले गये, जिसे ईलाज उपरांत हायर सेंटर रिर करने पर रायपुर ले गये। जलेश ठाकुर ने नोहर पाल ऊर्फ बल्लू पाल के उपर धारदार वस्तु से हमलाकर चोट पहुंचाया है प्रार्थी कि रिपोर्ट पर थाना खम्हरिया में अपराध सदर धारा 109(1) ब्हस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिस पर मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस उप महानिरीक्षक (ष्ठढ्ढत्र) रामकृष्ण साहू (ढ्ढक्क) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, एसडीओपी बेमेतरा भुषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी खम्हरिया निरीक्षक चंद्रदेव वर्मा को थाना स्टाफ के साथ प्रकरण की विवेचना कार्यवाही में लगाया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी जलेश्वर ऊर्फ जलेश ठाकुर को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर अपना अपराध करना स्वीकार किया। आरोपी जलेश्वर ऊर्फ जलेश ठाकुर पिता हीरालाल ठाकुर उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम बरगा थाना खम्हरिया, जिला बेमेतरा को बीते सोमवार 09 फरवरी 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया।

इस संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी खम्हरिया निरीक्षक चंद्रदेव वर्मा, प्रधान आरक्षक अजय कुमार लहरे, आरक्षक सौरभ सिंह, बलदेव निषाद, मुकेश चंद्रवंशी, अशरफी खान, रमन चंद्राकर सहित थाना खम्हरिया के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के लिए जिले के आयुष चिकित्सकों को किया गया पुरस्कृत

कांकेर/मूक पत्रिका

बीते सोमवार को स्वच्छता संक्रमण नियंत्रण एवं बेहतर प्रबंधन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित आयुष कायाकल्प प्रोग्राम के अंतर्गत आयुष विभाग संचालनालय रायपुर द्वारा कांकेर के चार आयुष केंद्रों को पुरस्कृत किया गया है। चयनित संस्थाओं में स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर भानुप्रतापपुर को प्रथम पुरस्कार 01 लाख 25 हजार रूपए प्रभारी डॉ. गोल्डी लांजेवार, आयुष केंद्र कोटतरा को द्वितीय पुरस्कार 50 हजार रूपए प्रभारी डॉ. धमेन्द्र सिंह ठाकुर, आयुष्मान आरोग्य मंदिर संबलपुर को द्वितीय पुरस्कार 50 हजार रूपए डॉ. कुसुम ठाकुर तथा शासकीय

आयुर्वेद औषधालय तरहुल को तृतीय पुरस्कार 25 हजार रूपए से पुरस्कृत किया गया, इस औषधालय के प्रभारी डॉ. प्रवीण सामल हैं। पुरस्कार से प्राप्त राशि का उपयोग अस्पतालों के मूलभूत ढांचे और मरीजों की सुविधाओं को विस्तार देने के लिए किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला आयुर्वेद अधिकारी ने बताया कि गत दिवस राजधानी रायपुर में आयोजित कार्यक्रम उक्त पुरस्कारो से जिले के आयुष स्वास्थ्य केंद्रों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल थे। इस अवसर पर प्रदेश के स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया, संचालक आयुष संतन देवी जांगड़े, संयुक्त संचालक डॉक्टर सुनील दास, उपसंचालक डॉ. ए. सी. किरण तिग्गा उपस्थित रहे।

राजस्व विभाग के अधिकारियों को चढ़ावा व रसूखदार कॉलोनाइजर को बढ़ावा

रायगढ़/मूक पत्रिका

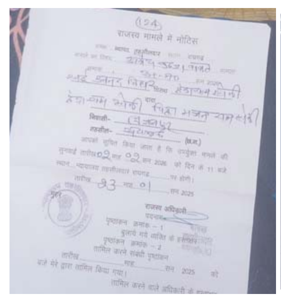

मामला विजयपुर वार्ड नंबर 47 महर्षि स्कूल रोड में श्री साइन लोटस सिटी के नाम से कॉलोनी विकसित की जा रही है लोटस सिटी कॉलोनी के पीछे मरघट्टीपारा मैं 35- 40 परिवारों के द्वारा लगभग 25 से 30 वर्षो से शासकीय भूमि खसरा न. 80, खसरा न. 81 पर अवैध कब्जा कर घर बना कर रह रहे हैं जो आज भी शासकीय रिकॉर्ड में शासकीय भूमि दर्ज है

इसी कड़ी में अवैध कब्जाधारियों को राजस्व विभाग रायगढ़ के द्वारा 23.1. 2025 को नोटिस जारी कर 02.02.26 को समय 11 बजे तहसील न्यायालय में उपस्थित होने के लिए कहा गया

विडंबना यह है कि शासकीय भूमि पर वर्तमान में लगभग 35 से 40 परिवार का कब्जा है शासकीय भूमि होने के बावजूद राजस्व विभाग के द्वारा सिर्फ 9 परिवारों को ही नोटिस जारी किया गया लेकिन सोचने योग्य बातें यह है कि खसरा नंबर 80 व 81 आज भी रिकॉर्ड में शासकीय भूमि दर्ज हैवर्तमान में खसरा नंबर 80 व 81 मे अवैध कब्जा है और यह प्रकरण राजस्व विभाग में लंबित है

लेकिन रसूखदार कॉलोनाइजर के द्वारा शासकीय जमीनों पर अवैध कब्जा कर षडयंत्र पूर्वक मिट्टी पाटने का कार्य धड़ल्ले से जारी है लेकिन राजस्व विभाग जानकर भी अंजान बने हुए हैं -मरघट्टी पारा में निवासरत लोगो का आरोप है कि मामला राजस्व विभाग में लंबित होने के बाद भी रसूखदार श्री साई लोटस कॉलोनी के कॉलोनाइजर के द्वारा वहां निवासरत लोगों को डरा धमका कर जगह खाली करने के लिए प्रताड़ित किया जा रहा है और डरा धमकाकर अवैध रूप से मिट्टी पाटा जा रहा है और लगातार मिट्टी पाटने का कार्य किया जा रहा है यह रसूखदार कॉलोनाइजर की दादागिरी है खसरा नंबर 80 व 81 राजस्व रिकॉर्ड में शासकीय भूमि है व वर्तमान में खसरा नंबर 80 व 81 मे अवैध कब्जा है राजस्व विभाग इस शासकीय भूमि पर हुए अवैध कब्जे को मुक्त करने में लगा है वही एक ओर रसूखदार कॉलोनाइजर अवैध कब्जा खाली होते ही अवैध कब्जा करने मे लगा है रसूखदार कॉलोनाइजर को राजस्व विभाग का संरक्षण प्राप्त है इसीलिए राजस्व विभाग का काम रसूखदार कॉलोनाइजर कर रहा है

कॉलोनी कटने के बाद अचानक खुली राजस्व विभाग की आंख= शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर लगभग 25 से 30 साल से 35 से 40 परिवार कब्जा कर घर बनाकर अपना गुजर बसर कर रहे है जिसका वो नगर निगम को निर्धारित शुल्क घर टैक्स व नल टैक्स, और बिजली बिल पटा रहे है व नगर निगम के द्वारा नाली, सड़क भी बनाया गया है उसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों के संज्ञान में रहते हुए इन अवैध कब्जाधारीयों के प्रति नगर निगम सौतेला व्यवहार किया जा रहा है वह रसूखदार कॉलोनाइजर को बढ़ावा दिया जा रहा है

जनप्रतिनिधि का मौन रहना समझ से परे = वहां रहवासियों का आरोप है कि जब चुनाव आता है तो नेताजी घर-घर पहुंचते हैं हाथ जोड़ते हैं और जीतने का आशीर्वाद मांगते हैं लेकिन आज हम उक्त जनप्रतिनिधि वार्ड न. 47 पार्षद पदुमलाल प्रजा के घर अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे तब पार्षद के द्वारा एक सिरे से हमें धुतकार कर भगाया गया जिससे हमें बहुत ज्यादा अपमानित महसूस हुआ यह है हमारे जनप्रतिनिधियों का हाल और अब हमारे सुनने वाला कोई नहीं है अब हम जाएं तो जाएं कहां अब हमें रोड में तंबू गडकर सोना पड़ेगा और अपना गुर्जर बसर करना पड़ेगा

बाकी खबर अगले अंक मे.....

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत नवागढ़ में होगा भव्य सामूहिक विवाह

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत बेमेतरा जिले के नवागढ़ ब्लॉक में भव्य राज्य एवं जिला स्तरीय सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन कल 10 फरवरी को नवागढ़ स्कूल ग्राउंड मैदान में सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगा। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह को सम्मानजनक स्वरूप देने के उद्देश्य से राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। इस योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह आयोजित कर न केवल विवाह की परंपराओं को सरल बनाया जा रहा है, बल्कि सामाजिक समानता एवं महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

नवागढ़ ब्लॉक में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री दयालदास बघेल, मंत्री, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन तथा श्री विजय बघेल, सांसद, दुर्ग लोकसभा क्षेत्र की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। इसके अलावा विशिष्ट अतिथि सहित वरिष्ठ जनप्रतिनिधि कि भी उपस्थिति रहेगी 7 कार्यक्रम में नवविवाहित जोड़ों को राज्य शासन की ओर से प्रदान की जाने वाली सहायता राशि एवं उपहार वितरित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना समाज में व्याप्त दहेज प्रथा जैसी कुप्रथाओं पर अंकुश लगाने के साथ-साथ बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच को मजबूत करने की दिशा में एक सशक्त पहल है।

वार्षिक सम्मेलन में शासकीय नवीन कन्या कॉलेज की छात्राओं ने दी रंगारंग नृत्य की प्रस्तुति

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय सारंगढ़ के वार्षिक स्नेह सम्मेलन, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सभागार में किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत माँ शारदा के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों ने रंगारंग नृत्य की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर अतिथि के रूप में कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे, अध्यक्ष जनपद पंचायत सारंगढ़ ममता ठाकुर, सत्ताधारी दल के वरिष्ठ सदस्य अरविन्द हरिप्रिया, डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, तहसीलदार प्रकाश पटेल, आयोजक

प्रभारी प्राचार्य रामचंद्र भैना, लोकेश्वर पटेल सहित कालेज के छात्र छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं। अतिथियों ने अपने सम्बोधन में युवाओं को संबल, प्रेरणा और मार्गदर्शन दिए।

कोसीर और सरिया क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन में शामिल ट्रैक्टर जप्त

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देश एवं खनि अधिकारी बजरंग पैकरा के मार्गदर्शन में खनिज अमला द्वारा विगत दिनों लगातार कार्यवाही में सारंगढ़ तहसील के ग्राम मल्दा, दहिदा एवं जसपुर क्षेत्र अंतर्गत गौण खनिज रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त 02 वाहन ट्रैक्टर, 05 ट्रैक्टर पर कार्यवाही करते हुए थाना कोसीर के सुरक्षार्थ में दिया गया। सरिया तहसील के पिहरा क्षेत्र में रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त 03 ट्रैक्टर पर कार्यवाही करते हुए थाना सरिया के सुरक्षार्थ में दिया गया। यह कार्यवाही छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 और खान एवं खनिज विकास अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत की गई। अवैध उत्खनन परिवहन एवं भण्डारण पर कार्यवाही निरंतर जारी रहेगा।

सतनामी समाज युवक युवती परिचय सम्मेलन में शामिल हुए गुरु खुशवंत साहेब

फिजूलखर्ची को छोड़कर बाबा गुरु घासीदास के बताये सादगी विवाह को गर्व के साथ अपनाने की जरूरत : केबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, अनुसूचित जाति विकास विभाग मंत्री गुरु खुशवंत साहेब का रविवार को सारंगढ़ प्रवास रहा, जहाँ केबिनेट मंत्री प्रदेश स्तरीय सतनामी समाज युवक युवती परिचय सम्मेलन में शामिल हुए। गुरु खुशवंत साहेब ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा निरंतर सतनामी समाज के लिए किए जा रहे सबका साथ सबका विकास के कार्यों, प्रदेश में गुरु घासीदास बाबा के मेला आयोजन के लिए स्वीकृत राशि का अपने संबोधन में जिक्र किया। मंत्री

गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि, बाबा गुरु घासीदास जी के सादा जीवन, उच्च विचार के जो संदेश दिए गए हैं जो संस्कृति और संस्कार बताए गए हैं, उसके सादगी विवाह की परम्परा को हमें गर्व के साथ अपनाने की जरूरत है। केबिनेट मंत्री ने कहा कि, जिस प्रकार आज हम दिखावे की ओर आगे बढ़ रहे हैं। दिखावे की शादी में धन का खर्च बहुत ज्यादा है। लड़का ढूंढना है या लड़की ढूंढना है तो हम सब लोगों को कितना परेशानी होती है। आज लोग विवाह को सम्मान और इज्जत के रूप में देखते हैं और मन मुताबिक शादी करते हैं भले ही कर्ज लेना पड़े। दिखावे से थोड़ा उठके हमें सादा विवाह की राह बहुत पहले गुरु घासीदास ने दी है। इसमें किसी प्रकार का खर्च नही है। समाज में एक दूसरे के प्रति प्रेम की भावना स्थापित करें।

राज्य सरकार द्वारा गुरु घासीदास बाबा के मेला आयोजन के लिए राशि स्वीकृत

मंत्री ने कहा कि, गिरोधपुरी हो, भंडारपूरी हो, लालपुर धाम हो, चाहे हर जगह के लिए करोड़ों रुपए पैसा स्वीकृत है। किसी प्रकार के कोई कमी नहीं है सिर्फ धार्मिक स्थल की उन्नति और विकास है। सारंगढ़ में प्रतिवर्ष बाबा गुरु घासीदास जी की जयंती मनाई जा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने इसके लिए राशि स्वीकृत की है जो आजतक चल रही है। आज मात्र 2 साल के अंदर में मुख्यमंत्री जी ने हमारा हमेशा लगातार सहयोग किया है। शिक्षा के स्तर में भी सीजीपीएससी में एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर बनते हैं, उसकी फ्री कोचिंग की व्यवस्था राज्य सरकार ने की है। पायलट प्रोजेक्ट भी शुरू किए हैं। हमारे छत्तीसगढ़ सरकार में सबका साथ, सबका विकास के मूलमंत्र से सर्व समाज के उन्नति और विकास के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कार्य कर रहे हैं।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडे, सदस्य लता लक्ष्मे, सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनवानी, पूर्व विधायक सनम जांगड़े, केराबाई मनहर, निर्मल सिन्हा, सत्ता दल के जिला अध्यक्ष ज्योति पटेल, सुभाष जालान, अजय गोपाल, वेदराम जांगडे, हरिनाथ खूंटे, शिव कुमारी चौहान, बी डी भारद्वाज, आयोजक अजय कोसले सहित बड़ी संख्या में युवक-युवती, पालक, सतनामी विकास परिषद के सदस्य और पत्रकारगण उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।